हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 25 : जौनपुर, गुरुवार 19 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

डेंगू पीड़ित हर मरीज को मिले समय पर इलाज : मुख्यमंत्री

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन, निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों की स्थिति और डेंगू की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बेड की व्यवस्था कराई जाए। गांव हो या कि शहर कहीं भी एक भी संक्रमित मरीज इलाज के अभाव में परेशान न हो। सभी सरकारी व निजी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों में नए रोगियों की नियमित रिपोर्टिंग जरूर हो। योगी ने कहा कि जनपदों में आउटब्रेक्स की स्थिति पर नियंत्रण हेतु ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक हैं।

नगर विकास, ग्राम विकास एवं पंचायती राज विभाग मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु फॉगिंग एवं लार्वीसाइडल स्प्रे कराई जाए। सुबह सैनेटाइजेशन और शाम को फॉगिंग का कार्य निरंतरता के साथ कराएं। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन अयोग्य योजना के लिए पात्र हर परिवार का आयुष्मान कार्ड जरूर

बनाया जाए। अब तक 191.9 लाख परिवार इन योजनाओं से आच्छादित होकर 5 लाख वार्षिक के मुफ्त स्वास्थ्य बीमा सुविधा से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि असेवित जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापना के लिए राज्य सरकार ने पीपीपी मोड की नीति अपनाई है। इसके तहत शामली, मऊ, महराजगंज और संभल में कार्य प्रारंभ हो चुका है। बागपत, मैनपुरी, कासगंज, महोबा, हमीरपुर और हाथरस के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग के तहत भारत सरकार से अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। सभी जगह शीघ्र ही कार्य प्रारंभ किए जाएं। उन्होंने कहा कि विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों में चयनित 293 शिक्षकों और 1950 से अधिक स्टाफ नर्सों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर तैनाती सुनिश्चित करें। राजकीय मेडिकल कॉलेजों में आचार्य, सह आचार्य और सहायक आचार्य के रिक्त पदों पर यथाशीघ्र योग्य चिकित्सकों की नियुक्ति की जाए।

मध्य प्रदेश में सिंधिया और उनके समर्थकों की घेरने की कोशिश में कांग्रेस

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके समर्थक उम्मीदवारों को घेरने में सबसे ज्यादा दिलचस्पी है और यही कारण है कि पार्टी की ओर से ताकतवर उम्मीदवारों पर दांव लगाया जा रहा है। यह अलग बात है कि विधायक केपी सिंह को पिछोर की बजाय शिवपुरी से उम्मीदवार बनाकर पार्टी ही उलझन में फंस गई है।

राज्य में कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार गिराए जाने के घटनाक्रम को पार्टी के नेता अब भी नहीं भूल पाए हैं और यही कारण है कि सिंधिया को घेरने के लिए राज्य के नेता सबसे ज्यादा मशक्कत कर रहे हैं। भाजपा ने सात सांसदों सहित तमाम दिग्गजों को विधानसभा चुनाव में मैदान में उतार रखा है तो संभावना इस बात की भी जताई जा रही है कि सिंधिया को पार्टी शिवपुरी से

उम्मीदवार बना सकती है, लिहाजा इस इलाके के कांग्रेस के सबसे प्रभावशाली नेता और पिछोर से विधायक केपी सिंह को पार्टी ने शिवपुरी से पहले ही उम्मीदवार घोषित कर दिया है ताकि सिंधिया के रास्ते को रोका जा सके। कांग्रेस ने सिंधिया को रोकने की रणनीति के तहत सिंह को उम्मीदवार बनाया तो सियासी हल्कों में हलचल मच गई और कहा तो यहां तक जा रहा है कि केपी सिंह खुद शिवपुरी से चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। इसी मामले को लेकर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच भी दूरियां बढ़ने की खबर आ रही है। कमलनाथ का एक वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने कांग्रेस के दावेदार वीरेंद्र रघुवंशी के समर्थकों से दिग्विजय सिंह और उनके पुत्र जयवर्धन के कपड़े तक फाड़ने की बात कह दी। एक तरफ जहां कांग्रेस सिंधिया का रास्ता रोकने की कोशिश कर रही है तो वही पार्टी ने सिंधिया समर्थक सांवेर के उम्मीदवार तुलसीराम सिलावट, सुरखी से उम्मीदवार गोविंद सिंह राजपूत की खिलाफ दमदार उम्मीदवार उतार दिए हैं।

तमिलनाडु में एआईएडीएमके ने अपने कैडर से कहा, बीजेपी से अब कोई नाता नहीं

एजेन्सी

चेन्नई। भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के साथ तालमेल की कोशिश कर रहा है, लेकिन अन्नाद्रमुक ने अपने कार्यकर्ताओं और जिला स्तर के नेताओं को स्पष्ट रूप से कह दिया है कि भाजपा के साथ गठबंधन हमेशा के लिए टूट गया है। पार्टी का भगवा दल के साथ कोई संबंध नहीं है। पार्टी के स्थापना दिवस समारोह के दौरान चेन्नई में अन्नाद्रमुक के जिला प्रभारियों के साथ हाल ही में एक बैठक में, पूर्व मुख्यमंत्री और अन्नाद्रमुक महासचिव के. पलानीस्वामी (ईपीएस) ने पार्टी नेताओं को बताया कि पहला एजेंडा जमीनी स्तर पर संवाद करना होना चाहिए कि बीजेपी के साथ गठबंधन हमेशा के लिए टूट गया है। अन्नाद्रमुक के सूत्रों के अनुसार, उन्होंने जिला प्रभारियों को स्पष्ट रूप से बताया कि पीछे मुड़कर नहीं देखा जाएगा और पार्टी तमिलनाडु में नए राजनीतिक गठबंधन और संयोजन बनाने की प्रक्रिया में है। ईपीएस ने पार्टी जिला प्रभारियों से यह भी कहा कि यदि जिला पदाधिकारी कोई बाधा उत्पन्न कर रहे हैं तो वे सीधे उनसे संवाद करें। एआईएडीएमके के सूत्रों ने बताया कि ईपीएस ने जिला प्रभारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए बुलाया है कि पार्टी तमिलनाडु की सभी 39 लोकसभा सीटों और पुडुचेरी में एकमात्र सीट पर जीत हासिल करे। अन्नाद्रमुक और भाजपा के बीच पांच साल का राजनीतिक गठबंधन हाल ही में टूट गया था जब भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई ने द्रविड़ आइकन दिवंगत मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई और दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के खिलाफ तीखे व्यक्तिगत हमले किए थे। तमिलनाडु की उथल–पुथल भरी राजनीति में एआईएडीएमके की पीठ पर सवार होकर कुछ सीटों की उम्मीद कर रही बीजेपी को तब बड़ा झटका लगा, जब एआईएडीएमके ने एकतरफा भगवा पार्टी से नाता तोड़ लिया।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पहुंचे तेलंगाना

एजेन्सी / नयी दिल्ली। 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को तेलंगाना में पार्टी की बस विजयभेरी यात्रा की शुरुआत की। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बेगमपेट एयरपोर्ट पहुंच गए है। और हेलिकॉप्टर से रामप्पा मंदिर में दर्शन किए। बता दें प्रियंका गांधी सार्वजनिक बैठक के बाद नई दिल्ली लौट आएंगी, वहीं राहुल गांधी राज्य के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। पार्टी नेता ने कहा कि राहुल गांधी 20 अक्टूबर तक चुनावी राज्य में कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

सौम्या विश्वनायन हत्याकांड में दिल्ली की अदालत ने पांच को दोषी ठहराया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को 2008 में टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की हत्या के मामले में चार आरोपियों को मकोका प्रावधानों के तहत और एक को चोरी की संपत्ति प्राप्त करने में मदद करने के लिए दोषी ठहराया है। साकेत कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रवींद्र कुमार पांडे ने 13 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रखने के बाद फैसला सुनाया है। चार आरोपियों रवि कपूर, अमित शुक्ला, अजय कुमार और बलजीत मलिक को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) प्रावधानों के तहत और अजय सेठी को चोरी की संपत्ति प्राप्त करने के लिए दोषी ठहराया गया है।

अब सजा के लिए 26 अक्टूबर की तारीख तय की गई है। 13 अक्टूबर को न्यायाधीश ने अतिरिक्त दलीलों या स्पष्टीकरण के लिए समय दिया था क्योंकि बचाव और अभियोजन दोनों ने इस महीने की शुरुआत में अपनी दलीलें पूरी कर ली थीं। अदालत ने फैसला सुनाए जाने के समय सभी आरोपियों को अदालत में उपस्थित रहने का भी निर्देश दिया था। गौरतलब है कि 30 सितंबर 2008 को सौम्या विश्वनाथन देर रात अपनी कार से घर लौट रही थीं, उसी दौरान उनकी नेल्सन मंडेला मार्ग पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

आरोपियों को हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था और वे मार्च 2009 से हिरासत में हैं। पुलिस ने उसकी हत्या का कारण डकैती बताया था और आरोपियों पर कठोर महाराष्ट्र संगठित अपराध रोकथाम अधिनियम (मकोका) लगाया था। बलजीत मलिक और दो अन्य आरोपी रवि कपूर तथा अमित शुक्ला को 2009 में आईटी पेशेवर जिगिशा घोष हत्या मामले में दोषी ठहराया जा चुका है। घोष की हत्या में ट्रायल कोर्ट ने रवि कपूर, शुक्ला को मौत की सजा सुनाई और मलिक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके बाद, अगले साल हाईकोर्ट ने घोष की हत्या के मामले में मलिक की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखते हुए रवि कपूर और शुक्ला की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था।

उत्तराखंड में अवैध मदरसों पर सीएम धामी सख्त, 9 दिनों में 3 हुए सील

एजेन्सी

देहरादून। उत्तराखंड में अवैध अतिक्रमण पर कार्यवाही के बाद अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में संचालित हो रहे अवैध मदरसों पर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद महज 9 दिनों में तीन अवैध मदरसों का भंडाफोड़ हुआ है। इन अवैध मदरसों से 48 बच्चों को मुक्त कराया गया है। इनमें ज्यादातर नाबालिग लड़कियां हैं। धामी सरकार उत्तराखंड के सभी मदरसों की जांच के आदेश दे चुकी है। दरअसल, कुछ दिनों पहले नैनीताल जिले के ज्योलिकोट में अवैध रूप से संचालित मदरसे का मामला सामने आया था। जिसमें मदरसे में पढ़ने वाले एक बच्चे के परिजनों ने डीएम को पत्र लिखकर मदरसे की सच्चाई बताई थी, जिसके बाद प्रशासन की संयुक्त टीम ने मदरसे पर छापेमारी कर 24 बच्चों को वहां से रेस्क्यू कर मदरसे को सील कर दिया था। जब ये मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में आया तो सीएम धामी ने प्रदेश में संचालित सभी मदरसों का सत्यापन करने के निर्देश दिए। इसका असर ये हुआ कि बीते कुछ दिनों के भीतर ही उधमसिंह नगर जिले के किच्छा में दो और अवैध रूप से संचालित मदरसे सामने आए, जिन्हें सील कर दिया गया है। बीते 13 अक्टूबर को उधम सिंह नगर के किच्छा के सिरौलीकला में एक अवैध रूप से संचालित मदरसे पर कार्रवाई की गई थी। साथ ही संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इसके ठीक तीन दिन बाद ही इसी क्षेत्र के पुलभट्टा में एक और अवैध मदरसे पर कार्रवाई की गई। इस मदरसे में 22 बच्चियों और दो बच्चों को कमरे में बंद किया गया था। पुलिस ने छापेमारी के दौरान ना सिर्फ इन बच्चे बच्चियों का रेस्क्यू किया, बल्कि संचालिका को भी गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन मदरसा संचालक फरार हो गया था। लगातार अवैध मदरसों के मामले सामने आने के बाद कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इससे पहले भी जहां अवैध मदरसों के संचालन की जानकारी मिली थी, उन पर कार्रवाई की गई थी। कानून से ऊपर कोई नहीं है।

दिवाली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों को मोदी सरकार ने दिया गिफ्ट

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने अपने क्रमचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। कैबिनेट ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में 4 फीसदी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत में 4प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। डीए बढ़ोतरी 1 जुलाई 2023 से लागू होगी। इस 4 फीसदी बढ़ोतरी से महंगाई भत्ता 42 फीसदी से बढ़कर 46 फीसदी हो जाएगा। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता हर महीने श्रम ब्यूरो द्वारा जारी औद्योगिक श्रमिकों के लिए नवीनतम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई–आईडब्ल्यू) के आधार पर तय किया जाता है। इससे पहले, अर्धसैनिक बलों सहित ग्रुप सी और गैर–राजपत्रित ग्रुप बी स्तर के अधिकारियों के लिए दिवाली बोनस को सरकार द्वारा मंजूरी दे दी गई थी। 2022–2023 के लिए, वित्त मंत्रालय ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए गैर–उत्पादकता से जुड़े बोनस (तदर्थ बोनस) की गणना के लिए ₹7,000 की सीमा निर्धारित की है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने बताया कि वर्ल्ड फूड इंडिया का आयोजन 3–5 नवंबर के बीच दिल्ली में होने जा रहा है. इसके समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हिस्सा लेंगी और उद्घाटन के लिए मंत्रालय ने प्रधानमंत्री के सामने प्रस्ताव रखा है और मुझे विश्वास है कि इसे स्वीकार कर लिया जाएगा। अनुराग ठाकुर ने दिल्ली में कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2024–25 के लिए रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है।

केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को दिवाली से पहले बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने दिवाली बोनस का एलान किया। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने एक आदेश में अर्धसैनिक बलों सहित ग्रुप सी और नॉन–गजेटेड ग्रुप बी रैंक के अधिकारियों के लिए 7,000 रुपये की अधिकतम सीमा के साथ दिवाली बोनस को मंजूरी दे दी है। बता दें कि केंद्र सरकार ने अपने ग्रुप बी (गैर राजपत्रित) और ग्रुप सी कर्मचारियों के लिए 30 दिन के बोनस का ऐलान किया है। सभी कर्मचारियों को 7000 रुपये तक का

बोनस मिलेगा। इस फैसले से केंद्र सरकार के करीब 28 लाख कर्मचारियों को फायदा होगा। वहीं, बुधवार को महंगाई भत्ता बढ़ाने पर कैबिनेट में विचार हो सकता है। वित्त मंत्रालय के तहत व्यय विभाग ने कहा कि वर्ष 2022–23 के लिए 30 दिनों के वेतन के बराबर गैर–उत्पादकता से जुड़े बोनस को समूह 'सी' में केंद्र सरकार के कर्मचारियों और समूह 'बी' में सभी गैर–राजपत्रित कर्मचारियों को प्रदान किया गया है, जो किसी उत्पादकता से जुड़ी बोनस योजना से कवर नहीं हैं।

यूपी एटीएस ने नक्सली दंपती को किया गिरफ्तार

एजेन्सी

लखनऊ। यूपी एटीएस ने माओवादी संगठन पीएलजीए से जुड़े बृजेश कुशवाहा को देवरिया और छत्तीसगढ़ के रायपुर से उसकी पत्नी प्रभा को किया गिरफतार किया है। दोनों की गिरफ्तरी जुलाई 2019 में गिरफ्तार हुए मनीष श्रीवास्तव और अमिता श्रीवास्तव समेत सात आरोपियों के पास से मिले साक्ष्यों के आधार पर हुई है। यूपी एटीएस ने सबूत न होने के चलते बृजेश कुशवाहा और प्रभा को उस वक्त पूछताछ के बाद को छोड़ दिया था। एटीएस एडीजी मोहित अग्रवाल के मुताबिक एटीएस की टीम ने बुधवार दोपहर देवरिया बरहज के बड़ी सरबदी निवासी बृजेश कुशवाहा और उसकी पत्नी प्रभा को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पांच जुलाई 2019 को नक्सल गतिविधियों के संबंध में मनीष समेत 7 लोगों के भोपाल, कानपुर, देवरिया और कुशीनगर के ठिकानों पर छापेमारी कर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और संगठन से जुड़े दस्तावेज बरामद किये गये थे। वहीं सात में से मनीष श्रीवास्तव और अमिता श्रीवास्तव उर्फ वर्षा की गिरफ्तारी की गयी थी। वहीं पांच में शामिल बृजेश कुशवाहा और उसकी पत्नी प्रभा को साक्ष्य की कमी में छोड़ दिया गया था। वहीं उनके पास से मिले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को परीक्षण एवं डाटा एक्सट्रेक्शन हेतु फॉरेंसिक लैब भेज दिया गया था। फॉरेंसिक लैब के डिजिटल डाटा का एनालिसिस करने पर दोनों के खिलाफ सबूत मिले। जिसमें साफ है कि बृजेश कुशवाहा और उसकी पत्नी प्रभा के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में प्रतिबंधित माओवादी संगठन, पीएलजीए प्रतिबन्धित सी पीआई (माओवादी) का भारत सरकार के विरूद्ध प्रतिरोध करने हेतु सशक्त पार्टी व संगठन निर्माण करने के सम्बन्ध में पत्र, साहित्य और अन्य सामग्री उपलब्ध थी। जिसमें माओवादी संगठन से जुड़े विभिन्न कामरेडो के पत्र भी प्राप्त हुए हैं, जिनमें राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का उल्लेख है। देवरिया निवासी बृजेश कुशवाहा गोरखपुर से एम.ए. (संस्कृत) से करने के दौरान इकलाबी छात्र सभा से जुड़ गया था। बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में नौकरी के दौरान वर्ष 2006 में इसकी मुलाकात रायपुर निवासी प्रभा से हुई थी।

कांग्रेस को विंध्य में बड़ा झटका

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीख के ऐलान के बाद दल बदल का खेल जारी है और दोनों प्रमुख राजनीतिक दल–कांग्रेस और भाजपा एक दूसरे को झटका देने में लगे हैं। इसी क्रम में कांग्रेस को विंध्य में एक बड़ा झटका लगा है, जहां से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री निवास तिवारी के पोते और पूर्व सांसद सुंदरलाल तिवारी के बेटे सिद्धार्थ तिवारी ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्य ग्रहण कर ली। वहीं गुनौर के पूर्व विधायक कुंदर चौधरी ने भाजपा का दामन थामा। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सिद्धार्थ तिवारी ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

सपा सरकार में मिली नौकरी से निकाले गए कांस्टेबिलों को सभी सेवा लाभ मिले : हाइकोर्ट

एजेन्सी

प्रयागराज इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने समाजवादी पार्टी (सपा) सरकार के कार्यकाल के दौरान 2005– 06 बैच की भर्ती में नियुक्त होने के बाद बसपा शासन में नौकरी से निकाल दिए गए कांस्टेबिलों को वर्ष 2006 से सेवा में निरंतर मानते हुए उन्हें वेतन वृद्धि, पदोन्नति, समेत सभी सेवा लाभ देने पर सरकार को आदेश पारित करने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह आदेश उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी शासनादेश दिनांक 17 फरवरी 2022 में प्रतिपादित व्यवस्था को आधार बनाते हुए पारित किया है।यह आदेश जस्टिस अजीत कुमार ने मथुरा, गौतम बुद्ध नगर, आगरा, प्रयागराज, वाराणसी, जिलों में तैनात हेड कांस्टेबिलों तथा कांस्टेबिलों द्वारा संयुक्त रूप से अलग–अलग दाखिल विभिन्न याचिकाओं को निस्तारित करते हुए पारित किया है।

कान्स्टेबल नीरज कुमार पाण्डेय, रामकुमार, दीपक सिंह पोसवाल, रेखा गौतम, प्रमोद यादव व कई अन्य ने अलग–अलग याचिकाओं में मांग की थी कि शासनादेश दिनांक 17 फरवरी 2022 के अनुपालन में 2005 –2006 बैच के आरक्षी सिविल पुलिस, आरक्षी पीएसी, सहायक परिचालक रेडियो विभाग के कांस्टेबिलों को वर्ष 2006 से सेवा में निरंतर मानते हुए उन्हें पेंशन, उपादान, वार्षिक वेतन वृद्धि, तथा पदोन्नति का लाभ व एसीपी का लाभ अनुमन्य कराया जाए। याची कांस्टेबिलों की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम का कहना था कि सभी याची कांस्टेबिलों की भर्ती वर्ष 2005–06 में हुई थी। उनकी भर्ती सपा शासनकाल में हुई थी। बसपा शासनकाल आने पर इन्हें नौकरी से निकाल दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ने के बाद इन्हें सेवा में वर्ष 2009 में बहाल किया गया। कहा गया था कि सभी याची कांस्टेबल वर्ष 2006 से नौकरी में है।

सम्पादकीय

निठारी का नकार

जब नोएडा के निठारी गांव में बच्चियों व महिलाओं की क्रूरता से की गई सिलसिलेवार हत्याओं का मामला उजागर हुआ तो पूरा देश स्तब्ध था। इन हत्याओं की जो भयावह दास्तां मीडिया में तैरती रही, उसने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा था। बाद में सीबीआई अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर नौकर सुरेंद्र कोली और उसके नियोक्ता मोनिंदर सिंह पंधेर को मौत की सजा सुनाई थी। देश मानकर चल रहा था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में चल रहे मुकदमे के फैसले में भी यह कड़ी सजा बरकरार रहेगी। इस भयावह कांड में सोमवार को आए फैसले ने एक बार फिर देश को स्तब्ध किया। अदालत ने अकाट्य सबूतों के अभाव में उन दोनों अभियुक्तों को बरी कर दिया, जिन्हें निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। जाहिर है इस फैसले से देश में निराशा पैदा हुई है। जांच एजेंसी तथा न्याय व्यवस्था की सार्थकता पर सवाल उठे हैं। लेकिन असली सवाल ये है कि आज से सत्रह साल पहले वीभत्स कांड के उजागर होने के बाद बरामद उन्नीस बच्चियों व महिलाओं के कंकालों का अपराधी कौन है? जब ये भयावह मामला उजागर हुआ था तो मृतकों के कपड़े व चप्पल आदि आरोपियों के यहां से बरामद होने की बात सामने आई थी। समझा जा रहा था कि इतने साक्ष्यों के बाद अभियोजन पक्ष ने मजबूत सबूतों के आधार पर अपराधियों को दंड दिलाने की पुख्ता व्यवस्था की होगी। लेकिन विडंबना देखिए ये साक्ष्य अदालत की कार्रवाई में टिक नहीं पाये। सवाल सीबीआई की नाकामी के भी उठे हैं। ऐसे ही सवाल आरुषि तलवार दोहरे हत्याकांड में भी उठे थे। बहरहाल, डेढ़ दशक से अधिक समय के बाद निठारी कांड ने फिर देश को सन्न किया है। लोग पूछ रहे हैं यदि ये आरोपी निर्दोष हैं तो फिर एक नाले से बरामद कंकाल किस अपराधी का कृत्य था। दरअसल, हाईकोर्ट का मानना है कि अभियोजन पक्ष संदेह से परे अपराध साबित करने में विफल रहा है। फिर सवाल यह है कि गाजियाबाद की सीबीआई अदालत ने किस आधार पर अपराधियों को हत्या,बलात्कार, अपहरण व साक्ष्य मिटाने के आरोप में दोषी माना। जाहिर है पीड़ित परिवारों के लोग अदालत के फैसले के बाद सदमे में हैं। दरअसल, अपराधियों का शिकार बनी बच्चियां व महिलाएं गरीब परिवारों से थीं। जिनमें अधिकांश पश्चिम बंगाल व बिहार आदि राज्यों से आए श्रमिक थे। इस फैसले के बाद फिर उस धारणा को बल मिला है कि देश में गरीबों को न्याय मिलना मुश्किल हो गया है। निश्चित तौर पर अभियोजन पक्ष ने मामले में संवेदनहीनता दर्शायी है। जब यह मामला उजागर हुआ था तब भी उत्तर प्रदेश सरकार के एक कैबिनेट मंत्री ने इन भयावह हत्याओं को छोटी–मोटी घटना बताया था। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने गरीब श्रमिकों के बच्चे लापता होने के मामले को पहले गंभीरता से नहीं लिया था। वहीं तब भी पंधेर व कुछ पुलिसकर्मियों की मिलीभगत के आरोप लगे थे, जिसकी जांच होनी बाकी है। निस्संदेह, जघन्य हत्याकांडों के आरोपियों का अदालत में बरी होना जांचकर्ताओं पर भी उंगली उठाता है। जो हमें बताता है कि कैसे भयावह सच्चाई भी घटिया जांच का शिकार बन जाती है। कहना कठिन है कि यह परिणाम सीबीआई की उदासीनता का नतीजा है या न्यायिक व्यवस्था के छिद्रों का लाभ अभियुक्तों ने उठाया है। जिसके चलते न केवल आरोपियों की फांसी की सजा खत्म हुई बल्कि अभियुक्त बरी भी हो गये। इसके बाद पीड़ित परिवारों की नाराजगी सामने आना स्वाभाविक ही है। ये फैसला सीबीआई के लिये भी सबक है कि दलीलों व सुबूतों में संदेह की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। यह भी कि देश में यह संदेश न जाए कि गरीब अन्याय झेलने को अभिशप्त हैं। जैसा कि कहा जा रहा है कि सीबीआई इस मामले को शीर्ष अदालत में चुनौती देगी, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि सीबीआई अकाट्य सबूतों के साथ आगे बढ़ेगी। ताकि देश में सीबीआई की नाकामी का संदेश न जाए। इस संभावना पर भी विचार करने की जरूरत है कि क्या इस जघन्य हत्याकांड की नये सिरे से जांच संभव है?

21 अक्टूबर आजाद हिंद सरकार के स्थापना दिवस पर

परतंत्र भारत का महान सेनानायक सुभाष चंद्र बोस

भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में सुभाष चंद्र बोस तथा आजाद हिंद फौज का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। 1857 ई. की असफलता के पच्चासी वर्ष पश्चात मोहन सिंह तथा सुभाष चंद्र बोस ने आजाद, हिंद फौज के नाम से एक सैनिक संगठन स्थापित किया। श्री सुभाष चन्द्र बोस भारत में नेताजी के नाम से प्रसिद्ध हैं। इनका जन्म 23 जनवरी 1997 ई. को कलकत्ता में हुआ था। बाद में इन्होने लंदन से आई.सी.एस. की परीक्षा पास की। तत्पश्चात नेताजी सुभाष चन्द्र बोस कांग्रेस में शामिल हो गये, क्योकि एक बड़ा अफसर बनने के बजाय देश सेवा उन्हें अधिक प्रिय थी, ये कांग्रेस के गर्मदल के नेता थे। 1930 ई. तथा 1938 में ये क्रमशः कलकत्ता कार्पोरेशन के प्रधान तथा कांग्रेस के प्रधान चुने गये । महात्मा गांधी से नैतिक मतभेद हो जाने के कारण उन्होंने कांग्रेस के उच्चपद से त्यागपत्र दे दिया। 1941 में सरकार ने उन्हें घर में ही नजरबंद को दिया पर वे बड़ी चतुराई से निकल गये तथा जर्मनी पहुंच गये। नेताजी जर्मनी से जापान आ गये। वह दूसरे विश्वयुद्ध का समय था। जर्मनी तथा जापान अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ रहे थे। उसी समय नेताजी ने आजाद हिंद फौज का नेतृत्व किया, ताकि अंग्रेजों से युद्ध करके भारत को स्वतंत्र कराया जाय। उनके अफसर बड़े उत्साह से उनकी आज्ञाओं का पालन करते थे। तथाकथित तौर पर 1945 मे नेताजी हवाई जहाज की दुर्घटना से स्वर्ग सिधार गए, वैसे वे उड़े थे तो जो हवाई जहाज दुर्घटनाग्रस्त हुआ था उसमें वे थे या नहीं, या फिर वे इसके पूर्व ही किसी हवाई अड्डे में उतर गये थे, यह भी एक विवाद का विषय बना हुआ है,किजो हवाई जहाज दुर्घटना ग्रस्त होकर गिरा था उसके मलबे में सब कुछ मिला लेकिन अनथक प्रयास के बाद भी नेताजी का पार्थिव शरीर नहीं प्राप्त हो पाया था।आजाद हिंद फौज का निर्माण– दूसरे विश्वयुद्ध में जर्मनी तथा जापान विजयी हुए और अंग्रेज हार गये। 15 फरवरी 1942 को जापानियों ने सिगापुर पर अधिकार कर लिया। इस. विश्वयुद्ध में साठ हजार भारतीय सैनिकों को जापानियों ने बंदी बना लिया। 17 फरवरी 1942 को जापानी सेनापति मेजर क्यूजिवारा ने प्रमुख भारतीय कैदी अफसरों से कहा कि वे जापानियों की सहायता करें। प्रस्ताव भारतीयों ने मान लिया। पर उन्हें डर था कि कहीं अंग्रेजों को निकालकर जापान स्वयं न भारत पर अधिकार कर ले, इसलिये भारतीय अफसरों ने जापानी सेनापति से सोच–विचार करने के लिये समय मांगा। जापान की राजधानी टोकियो में जापान के

बंदी भारतीय अफसरों तथा दक्षिण पूर्वी एशिया के अन्य भारतीयों का एक सम्मेलन हुआ। श्री रास बिहारी बोस इस सम्मेलन के अध्यक्ष थे। वहां पर आजाद हिंद फौज के निर्माण के लिये निम्नलिखित प्रस्ताव स्वीकृत षहिंदुस्तान पर सैनिक आक्रमण करने वाली सभी सैनिक टुकड़ियों का संचालन भारतीय अफसरों के हाथ में रहे। जापान से हवाई और समुद्री हमलों के लिये सहायता ली जाये परंतु सारा काम आजाद हिंद फौज के सुपुर्द हो ,तथा जब भारत अंग्रेजों के हाथ से मुक्त हो जाय तब आजाद हिंद का शासन विधान भारतीय जनता के प्रतिनिधि तैयार करें। जून 1942 में वैकांक में आजाद हिंद संघ नामक एक संस्था कायम की गई जिनके अध्यक्ष श्री रास बिहारी बोस थे। इस संस्था का मुख्य कार्य था आजाद हिंद फौज की भर्ती तथा उसकी व्यवस्था करना। संघ की रीति नीति एवं कार्यप्रणाली अखिल भारतीय कांग्रेस के समान ही थी। तिरंगा झंडा संघ की राजपताका बनाई गई। इस संघ के मुख्य उद्देश्य थे। विश्वास, एकता और बलिदान तथा भारत अविभाज्य है ,आजाद हिंद संघ तथा आजाद हिंद फौज सिंगापुर में बनाया गया। अपने व्यक्तित्व के कारण सुभाष चंद्र बोस जापान सरकार को आजाद हिंद फौज की कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप न करने के लिये विवश कर दिया। अप्रैल 1943 में सुभाषचंद्र बोस ने सिंगापुर में आजाद हिंद फौज क नेताओं को बुलाकर उन्हें परामर्श दिया कि वे सब दिल्ली में चलकर वायसराय भवन पर तिरंगा झंडा फहरायें और लाल किले पर विजय परेड करें। जयहिंद के नारे का चलन इसी समय से प्रारंभ हुआ। सुभाष चंद्र की सेना में पुरुष सैनिकों के अतिरिक्त स्त्रियां भी थी। स्त्रियों की सेना का नेतृत्व डाक्टर कुमारी लक्ष्मी स्वामी नाथन ने किया। 21 अक्टूबर1943 को नेताजी ने सिंगापुर मे आजाद हिंद सरकार की स्थापना की। जर्मनी, जापान, इटली, ब्रम्हा, मलाया, फिलिपाइन, इंडोनेशिया हिंदचीन मंचूरिया और कोरिया आदि देशों ने तुरंत इसे स्वतंत्र भारत की वैध सरकार के रूप में स्वीकार कर लिया और कुछ देशों के साथ परस्पर राजदूतों का आदान–प्रदान भी होने लगा। 24 अक्टूबर 1943 को स्वतंत्र भारत की इस वैध, सरकार ने अमरीका और इंग्लैंड के विरुद्ध यद्ध की घोषणा कर दी। 4 फरवरी 1943 को आजाद हिंद फौज ने आसाम आक्रमण किया। गांधी नेहरु तथा आजाद रेजिमेंटों ने 18 मार्च 1943 को भारत भूमि पर पांव रखा और प्रगति करती हुई इन्फाल तक आ पहुँची। आजाद हिंद फौज को युद्ध सामग्र की सहायता जापान सरकार से प्राप्त होनी थी। धीरे–धीरे जापानियों की हार होने लगी। आजाद हिंद फौज मे भी. खाद्य सामग्री तथा युद्ध सामग्री का अभाव हो गया, जिससे उनकी प्रगति में रूकावट आ गई। 23 अप्रैल 1944 को जापानी रंगून छोड़कर भाग गये, और ब्रम्हा पर पुनः अंग्रेजों का अधिकार हो गया। नेताजी टोकियों जाते समय मार्ग में हवाई जहाज की दुर्घटना का शिकार हो गये और आजाद हिंद फौज ने विवश होकर हथियार डाल दिये। भारत की अंग्रेज सरकार ने प्रेमकृष्ण सहगल, गुरुबख्स सिंह ढिल्लो और शाहनवाज खाँ आदि भारतीय अफसरों पर मुकदमे चलाए पर भारतीयों के अनुरोध कर सरकार ने सबको रिहा कर दिया। आजाद हिंद फौज के संस्थापक सदस्य सुभाष चन्द्र बोस ने भारत को स्वतंत्र कराने के लिये अपना तन मन धन सब कुछ न्यौछावर कर दिया।

राहुल गांधी की मिजोरम यात्रा

अगले माह जिन 5 राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने जा रहे है, उनमें एक उत्तर–पूर्वी प्रदेश मिजोरम भी है। यहां 7 नवम्बर को यानी पहले ही चरण में मतदान होगा। 40 सीटों वाली यहां की विधानसभा में फिलहाल मिजो नेशनल फ्रंट की सरकार है। इसका चुनावी मुकाबला अब तक तो मुख्य विपक्षी दल जोराम पीपुल्स मूवमेंट के साथ माना जाता था लेकिन अब इन दोनों के मुकाबले कांग्रेस भारी दिखाई देने लगी है। अब तक कांग्रेस को तीसरे नंबर पर समझा जा रहा था लेकिन राहुल गांधी की मंगलवार को खत्म हुई दो दिवसीय मिजोरम यात्रा ने जो संकेत दिये हैं उससे अनुमान लगाये जाने लगे हैं कि 3 दिसम्बर को निकलने वाले चुनावी परिणाम सबको चौंका सकते हैं। वैसे राहुल की यह यात्रा राजनैतिक सन्दर्भों से कहीं बढ़कर है। चुनावी जीत–हार से भी परे और बहुत आगे। मुख्यमंत्री जोरामथंगा के बारे में कहा जा रहा था कि 1998 और 2003 की तरह वे फिर से सतत दो बार यह पद धारण करने वाले सीएम बन सकते हैं। इसका कारण यह था कि पिछले चुनाव में कांग्रेस को, जो उस समय सत्तारुढ़ थी, केवल 7 की संख्या में सिमटकर रह गई थी। कहने को भाजपा ने एमएनएफ के साथ चुनाव पूर्व गठबन्धन किया था पर जब पिछले वक्त एमएनएफ को पूर्ण बहुमत मिल गया

तो जोरामथंगा ने साफ कर दिया कि उन्हें भाजपा की जरूरत नहीं है। फिर भी भाजपा अपने को गठबन्धन का हिस्सा बतलाती रही। उसके हिस्से में एक ही सीट आई थी। अब की एमएनएफ ने हमार पीपुल्स कन्वेंशन (रिफॉर्मेशन) से गठबन्धन कर लिया है। जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के 6 विधायक हैं। राहुल की यात्रा के पूर्व तक मिजोरम पर खास चर्चा नहीं होती थी। ज्यादातर राजनैतिक विश्लेषकों का समय पहले राजस्थान, मप्र व छत्तीसगढ़ पर खर्च होता था। बाद में तेलंगाना पर भी होने लग गया था। मिजोरम चर्चा से बाहर ही था पर यहां राहुल ने जैसा मौसम बदला है, मिजोरम भी सियासी विमर्श का हिस्सा बन गया है।

वैसे मिजोरम में राहुल के पदार्पण का महत्व राजनैतिक चर्चा व समीकरण, चुनाव आदि से बढ़कर है। उत्तर–पूर्व में ही स्थित एक अन्य राज्य मणिपुर में पिछले दिनों हुए घटनाक्रम का असर अन्य छह राज्यों पर भी होता दिख रहा है। इनमें मिजोरम भी शामिल है। वैसे तो ज्यादातर उत्तर–पूर्वी राज्यों का मानस केन्द्र में आरुढ़ पार्टी के साथ जाने का होता है ताकि उनके विकास में बाधा न हो। भाजपा की इस हिस्से के कई राज्यों में पूर्ण बहुमत वाली या गठबन्धन की सरकारें है। मणिपुर की घटना के बाद यहां के राज्यों को समझ में आ गया है कि भाजपा का लक्ष्य यहां का विकास करना नहीं वरन अपनी विचारधारा को फैलाना है। प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण यह पूरा इलाका भाजपा के लिये आर्थिक दोहन के लिहाज से महत्वपूर्ण है। कई राज्यों में ईसाइयों की बहुलता भी उसकी आंखों में खटकती है। मणिपुर में मैतेई हिंदू आदिवासियों और ईसाई कुकी समुदाय के बीच पिछले कई माह से जारी संघर्षों ने जिस तरह से मणिपुर को जलाकर रख दिया है, उसने भी सभी राज्यों की आंखें खोलकर रख दी हैं। असम भी भाजपा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रयोगशाला बनी हुई है, वह भी ये सारे राज्य देख रहे हैं। यहां के लोगों को अब यह समझ में आने लगा है कि भाजपा–संघ द्वारा इन राज्यों में सायास अशांति का वातावरण बनाया जा रहा है। नफरत का जो जहर फैलाने की कोशिश भाजपा व केन्द्र सरकार कर रही है, उसके विरूद्ध राहुल द्वारा शांति व प्रेम का पैगाम मिजोरम के नागरिकों को आकर्षित कर रहा है। आइजोल में सोमवार को तथा लुंगलेई में मंगलवार को हुई आम सभाओं में एवं एक प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने बतलाया कि विकास के लिए शांति आवश्यक है और यहां के युवाओं को समझना होगा कि उनके लिए विकास कितना जरूरी है। उन्होंने साफ किया कि भाजपा व संघ ने सत्ताधारी एमएनएफ को मिजोरम में अपने प्रवेश के लिये इस्तेमाल किया है। राहुल की यह बात निश्चित ही लोगों तक पहुंची होगी कि कांग्रेस समावेशी भारत का हिमायती है जबकि भाजपा व संघ बहुसंख्यकवाद के सिद्धांत पर काम कर रहा है। राहुल गांधी ने इस राज्य के साथ अपने पहले–पहल के सम्बन्ध को बतलाकर लोगों को भावुक कर दिया है जिसमें उन्होंने बतलाया कि 16 वर्ष के एक किशोर के रूप में वे अपने दिवंगत पिता व तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ 1986 में आए थे। उल्लेखनीय है कि राजीव गांधी के कार्यकाल में ही मिजो शांति समझौता हुआ था जिसके बाद इस राज्य से अलगाववादी ताकतों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में खुद को शामिल किया था। इस राज्य के विकास में उस समझौते का बड़ा हाथ था। इसे मिजोरमवासी नहीं भूल सकते। यह बात तो सही है कि राहुल की यह यात्रा विधानसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में हो रही है और उसका फौरी उद्देश्य 7 नवंबर के मतदान को अपने पक्ष में प्रभावित करना है लेकिन उसे सीमित सन्दर्भों में नहीं देखा जाना चाहिये। मणिपुर के घटनाक्रम से सभी उत्तर–पूर्वी राज्य सहमे हुए हैं। भाजपा–संघ की विभाजनकारी नीति एवं केन्द्र द्वारा संघवाद (फेडरलिज्म) पर प्रहार के दुष्परिणाम आज देश देख रहा है। हर राज्य में अपनी सरकारें बनाना और जहां न हो वहां असंवैधानिक, अनैतिक या गैरकानूनी तरीकों से बनाने की प्रवृत्ति छोटे राज्यों के लोगों को विशेष रूप से भयभीत कर रही है। राहुल की यह यात्रा चुनावी लिहाज से कितनी सफल होती है, कहना मुश्किल है पर उसके सकारात्मक परिणाम जरूर निकलेंगे।

भारतीय युवा तेज मष्तिष्क विदेशों में सेवारत,भारत की अर्थव्यवस्था पर चोट

संजीव ठाकुर

विगत दो दशकों में प्रतिभा पलायन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है शिक्षा के क्षेत्र में बड़े शिक्षा संस्थानों में भारी–भरकम खर्च के बाद शिक्षित युवक विदेशों में अपनी सेवाएं प्रदान करने को सदैव तत्पर रहते हैं इसका बड़ा कारण विदेशी मुद्रा की कमाई और विदेशी चकाचौंध के तरफ आकर्षण ही होता हैस इससे भारत के आर्थिक तंत्र पर बड़ा भार प्रत्यारोपित होता हैस इतना खर्च कर के पढ़ाई करने के बाद भारतीय युवा मस्तिष्क भारत के विकास में योगदान न दें तो देश के लिए विडंबना की भांति हैस भारत के इतिहास पर नजर डालें, तो नालंदा,तक्षशिला, शांति निकेतन,और पाटलिपुत्र जैसे बड़े शिक्षा के केंद्र रहे हैं। सदैव अलग–अलग देशों से शिष्य शिक्षा प्राप्त करने भारत आते रहे हैं। अब ऐसा क्या हो गया है कि भारत से तकनीकी, चिकित्सकीय और संचार माध्यमों, मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए भारत से लगभग दो से ढाई लाख छात्र विदेश में पढ़ने के लिए जाने लगे हैं। वही भारत सरकार का सदैव प्रयास रहा है की विदेशी छात्र हिंदुस्तान में पढ़ाई के लिए देश में आए और और हिंदुस्तानी डिग्री लेकर अपने देश में लौटे। इस तरह भारत सरकार द्वारा भारत को एक बड़ा शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। और किसके लिए एक अभियान फेलोशिप कार्यक्रम चलाया गया है। इसके अलावा सरकार द्वारा एक प्रोजेक्ट डेस्टिनेशन इंडिया भी शुरू किया गया है। जिसके अंतर्गत विदेशी छात्रों की प्रवेश की प्रक्रिया को अत्यंत सरल सुगम बनाना है जिससे ज्यादा से ज्यादा छात्र भारत में पढ़ कर डिग्री हासिल करें अभी वर्तमान में भारत में आसियान देशों के निवासी छात्रों की संख्या लगभग सवा दो लाख के करीब है मानव संसाधन विभाग द्वारा इसे आगामी वर्षों में चार गुना करना चाहती है। आसियान देशों के छात्र भारत में पढ़ने से थोड़ा हिचकिचाते भी हैं,जिसके अनेक कारणों में से अपराधिक गतिविधियां, प्रदूषण, गर्मी, प्रवेश की लंबी लंबी प्रक्रिया, और भारतीय डिग्री की मान्यता नहीं होना भी शामिल है भारत में बारह से चौदह ऐसे शिक्षा संस्थान हैं, जो विश्व के 200 मान्यता प्राप्त संस्थानों में शामिल हैं। भारत में शिक्षा प्राप्त करना कम खर्च्च में संभव है, पर भारत के छात्र अमेरिका,ऑस्ट्रेलिया, कनाडा,सिंगापुर में पढ़ना चाहते हैं जहां पढ़ने का खर्च डॉलर में यहां से चार गुना पड़ता है। जबकि भारत में आए छात्रों का पढ़ाई तथा खाने–पीने रहने का खर्च लगभग एक चौथाई होता है, फिर भी भारत के अभिभावक अपने बच्चों को विदेश भेजने में वरीयता देते हैं।भारत द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है कि भारत के विश्वविद्यालयों की शिक्षा की गुणवत्ता विदेशी स्तर पर हो,पर इसमें काफी समय लगने की गुंजाइश भी है।यह भी संभव होगा कि विदेशी विश्वविद्यालयों की शाखाएं भारत में खोल दी जाए, और भारत के छात्र भारत में ही रह कर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। असल चिंता की बात यह है कि विदेश में जाने वाले छात्र वहां पढ़कर वही के संस्थानों में अपनी नौकरी खोज कर वहीं रहने लगते है। दूसरा यह है कि यहां की तकनीकी टॉप संस्थानों के होनहार युवक विदेशों में मोटी मोटी तनख्वाह में नौकरी देख कर विदेश चले जाते हैं, इस तरह भारत सरकार का उन पर किए जाने वाला खर्च का फायदा भारतीय संस्थानों को ना होकर विदेशी संस्थाएं उठा ले जाती है।

युवाओं की मौलिक सोच को प्रभावित कर रहा है इंटरनेट

वे आक्रामक और आधारहीन राय को ढाल बनाकर अपनी बौद्धिक दुर्बलता को छिपाते हैं। ऐतिहासिक कारणों व मनोवैज्ञानिक असुरक्षा के कारण भारत आज किसी के आदर्शों का अनुसरण नहीं कर रहा है। इससे भारतीयों का मनोवैज्ञानिक पतन हो रहा है। आधुनिक भारत में धार्मिक और सामाजिक ताना–बाना कमजोर हो गया है, जिससे वह अपनी परम्परा से विमुख हो गया है। भारतीयों ने पश्चिमी आदर्शों का पीछा किया, जिससे हमने अपनी नींव खो दी। भारत अपनी व पाश्चात्य महागाथाओं के बीच फंसा है। पश्चिमी उपभोक्तावाद अब भारत की संस्कृति में– विशेषकर युवा और शहरी आबादी में– पूरी तरह से व्याप्त हो गया है। भारतीय तत्काल संतुष्टि और अपने साधनों से बढ़कर जीवन जीने के लिए ऋण के उपयोग जैसे पश्चिमी मूल्यों से प्रभावित हुए हैं, जिनकी एक समय भारतीय समाज में निंदा की जाती थी।

राजीव मल्होत्रा

विदेश से नियंत्रित सोशल मीडिया भारतीय युवाओं की पहचान, मूल्यों और आत्मसम्मान को तेजी से प्रभावित कर रहा है। दिशानिर्देश की कमी ऐसे युवाओं को जन्म दे रही है, जो साधारण मुद्दों पर भी चर्चा नहीं कर सकते हैं। उनमें मौलिक सोच की क्षमता का अभाव होता जा रहा है और वे गंभीर रूप से सोचने के बजाय भावुक हो जाते हैं। वे आक्रामक और आधारहीन राय को ढाल बनाकर अपनी बौद्धिक दुर्बलता को छिपाते हैं। ऐतिहासिक कारणों व मनोवैज्ञानिक असुरक्षा के कारण भारत आज किसी के आदर्शों का अनुसरण नहीं कर रहा है। इससे भारतीयों का मनोवैज्ञानिक पतन हो रहा है। आधुनिक भारत में धार्मिक और सामाजिक ताना–बाना कमजोर हो गया है, जिससे वह अपनी परम्परा से विमुख हो गया है। भारतीयों ने पश्चिमी आदर्शों का पीछा किया, जिससे हमने अपनी नींव खो दी। भारत अपनी व पाश्चात्य महागाथाओं के बीच फंसा है। पश्चिमी उपभोक्तावाद अब भारत की संस्कृति में– विशेषकर युवा और शहरी आबादी में– पूरी तरह से व्याप्त हो गया है। भारतीय तत्काल संतुष्टि और अपने साधनों से बढ़कर जीवन जीने के लिए ऋण के उपयोग जैसे पश्चिमी मूल्यों से प्रभावित हुए हैं, जिनकी एक समय भारतीय समाज में निंदा की जाती थी। पिछली पीढ़ियों के समय में लोगों से अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने की उम्मीद की जाती थी। इसके विपरीत आज के युवा बिना मेहनत के ही सारी इच्छाएं पूरी करना चाहते हैं। वे उन नेताओं की ओर आकर्षित होते हैं, जो दृढ़ता और कठोरता की मांग किए बिना उन्हें अच्छा महसूस कराने के लिए लुभावनी बातें करते हैं। पारम्परिक स्रोतों, ग्रंथों और संदर्भ–बिंदुओं का विनाश भारतीयों की आत्म–छवि में एक शून्य पैदा करता है, जिससे डिजिटल प्लेटफार्मों को अपने स्वयं के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म– सुर्खियों में आने के लिए चल रही होड़ में– लोकप्रियता और पहचान का एक आसान मार्ग प्रदान करते हैं। असंख्य फॉलोअर्स होने से पहचान, पुरस्कार और हाई–प्रोफाइल नियुक्तियां मिलती हैं। जनता के पास मजबूत सामाजिक नेटवर्किंग कौशल वाले वाकपटु वक्ताओं और वास्तविक परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले लोगों के बीच अंतर करने की क्षमता नहीं बची है। भारतीयों को भावनात्मक रूप से बरगलाकर ठगे जाने का इतिहास रहा है। अंग्रेजों ने भारतीयों का शोषण करते हुए भी उनके कुछ त्योहारों और रीतियों से दिखावटी प्रेम दिखाकर मूल निवासियों का दिल जीत लिया था। ऐसे समाज का अनुचित लाभ उठाना और उसे नियंत्रित करना आसान होता है। हमारा शत्रु समाज को वश में करने के लिए पिछले दरवाजे से प्रवेश कर रहा है। उन्हें लगता है अगर भारतीयों को झूठी भावनात्मक विजय दे दी जाए, तो उनका ध्यान वास्तविक मुद्दों से हट जाएगा। अंग्रेज जब भारतीय राजाओं को हाथी पर बैठाकर बंदूक की सलामी देते थे तब वो मनोवैज्ञानिक नियंत्रण का उपयोग करते थे। अमेरिकियों की नकल भारतीय गलत तरीके से करते हैं– उनके खाने, बात करने और कपड़े पहनने की आदतों की नकल, अभद्र भाषा की नकलय नशीले पदार्थों का सेवन। कई नारीवादी अपनी मुक्ति के मार्ग के रूप में श्वेत नारियों की नकल करती हैं। जबकि अमेरिकियों में कुछ गहरे मूल्य और दृष्टिकोण भी हैं, जैसे आत्म–अनुशासन व मजबूत कार्य–संस्कृति। शहरी युवा अमेरिका की नकल करते हैं, वहीं गांव के युवा शहरियों जैसा बनने की इच्छा रखते हैं। शहरी युवा भावी अमेरिकी हैं और गांव के युवा भावी शहरी। प्रवासी श्रमिक अपने शहर के जीवन की कहानियां गांव के दोस्तों को बताते हैं। सोशल मीडिया से पहले के समय में ऐसे प्रभाव धीरे–धीरे पहुंचते थे, लेकिन आज ये बिजली की गति से सब जगह पहुंच जाते हैं। अमेरिकीकरण का डिजिटल रूप सोशल मीडिया पर सक्रिय होकर अपने निजी डाटा को बिग डाटा में मिलाना है– जिससे वैश्विक मंच पर पहुंचने का एहसास होता है। हमने सोशल मीडिया को जरूरत से अधिक महत्व दे दिया है। वे आक्रामक और आधारहीन राय को ढाल बनाकर अपनी बौद्धिक दुर्बलता को छिपाते हैं। ऐतिहासिक कारणों व मनोवैज्ञानिक असुरक्षा के कारण भारत आज किसी के आदर्शों का अनुसरण नहीं कर रहा है। इससे भारतीयों का मनोवैज्ञानिक पतन हो रहा है। आधुनिक भारत में धार्मिक और सामाजिक ताना–बाना कमजोर हो गया है, जिससे वह अपनी परम्परा से विमुख हो गया है। भारतीयों ने पश्चिमी आदर्शों का पीछा किया, जिससे हमने अपनी नींव खो दी। भारत अपनी व पाश्चात्य महागाथाओं के बीच फंसा है। पश्चिमी उपभोक्तावाद अब भारत की संस्कृति में– विशेषकर युवा और शहरी आबादी में– पूरी तरह से व्याप्त हो गया है। भारतीय तत्काल संतुष्टि और अपने साधनों से बढ़कर जीवन जीने के लिए ऋण के उपयोग जैसे पश्चिमी मूल्यों से प्रभावित हुए हैं, जिनकी एक समय भारतीय समाज में निंदा की जाती थी। पिछली पीढ़ियों के समय में लोगों से अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने की उम्मीद की जाती थी।

साइबर क्राइम के बारे में उद्यमियों को दी गई जानकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा के आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक घ्बृजेश कुमार के निर्देशन में साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसके क्रम में सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सीडा सभागार में बुधवार देर शाम पुलिस विभाग के साइबर क्राइम विशेसज्ञ नें उद्यमियों के साथ साइबर क्राइम जागरूकता अभियान चलाया जिसमें साइबर क्राइम से बचाव एवं संबंधित समस्याओं पर चर्चा हुआद्यसाइबर क्राइम विशेषज्ञ ओम प्रकाश जायसवाल ने साइबर जागरूकता अभियान के बारे में विस्तार से समझायाद्यसाइबर क्राइम के प्रति उद्यमियों को जागरूक कियाद्यउन्होंने उद्यमियों को किसी प्रकार ट्रेडिंग करने के लिए गूगल पर रॉ मैटेरियल आदि खरीदने हेतु सर्च करने और उसके परिणाम पर विशेष ध्यान देने एवं उसकी तकनीक के बारे में बतायाद्यकहा कि गूगल सर्च परिणाम प्राप्त मोबाइल नंबर आदि पर विश्वास कर पैसे की लेनदेन करने से बचेद्य कार्यक्रम में आई आई ए अध्यक्ष बृजेश कुमार यादव,शत्रुघ्न मौर्या,गुलाब पाण्डेय,आशीष यादव,सुनील यादव,मोहम्मद जफर,ओम प्रकाश यादव,महेंद्र यादव,बृजेश कुमार सिंह पिन्टू,अरविंद मौर्या,सुधांशू गुप्ता,राधेश्याम यादव मौजूद रहे ।

अयोध्या रामलला के विदेश में बैठे भक्तभी कर सकेंगे दान

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या राम मंदिर निर्माण के साथ रामलला को विदेश में बैठे राम भक्त भी दान कर सकते हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के आवेदन पर भारत सरकार की स्वीकृति दे दी गई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का नई दिल्ली में भारतीय स्टेट बैंक की 11 संसद मार्ग स्थित शाखा में खाता खोला गया है। ट्रस्ट ने विदेश में बैठे राम भक्तों के राम मंदिर में समर्पण के लिए खाता नंबर और आईएफएससी कोड जारी किया है।

भारतीय स्टेट बैंक की शाखा 11 संसद मार्ग नई दिल्ली खाता संख्या रू–42162875158

IFSC Code:–SBIN0000691
खाताधारक का नाम :– श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र

SWIFT CODE: -SBININBB104 पर कर रामलला को अपनी कमाई का समर्पण कर सकते हैं।

रामनगरी अयोध्या के हनुमानगढ़ी में नागा साधु की गला दबाकर हत्या, बंद मिला ब्ब्ट

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। अयोध्या राम नगरी के हनुमानगढ़ी मंदिर में

राम सहारे दास शिष्य दुर्बल दास उम्र 44 वर्ष की गला दबाकर हत्या की गई। मृतक के गले पर गहरा निशान की पुष्टि की गई है। पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर जांच कर रही है। हनुमानगढ़ परिसर में ही रह रहे ऋषभ शुक्ला पुत्र उमेश शुक्ला को संदिग्ध मानकर पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और बाकी की तलाश की जा रही है। मौके पर रह रहे ऋषभ शुक्ला मंदिर परिसर से फरार है। मंदिर परिसर में लगा सीसीटीवी भी बंद मिला, इस प्रकार की घटना 1 महीने के अंदर हनुमानगढ़ी पर दूसरी बार वारदात हुई है, कुछ दिन पहले नागा साधु ने हनुमानगढ़ परिसर में आत्महत्या की थी, फिर से आज हनुमानगढ़ी क्षेत्र में हत्या हुई, इस हत्या से हनुमानगढ़ क्षेत्र में सनसनी मची हुई है, यह मामला थाना राम जन्मभूमि के कटरा चौकी क्षेत्र के हनुमानगढ़ी मंदिर का मामला है।

चकबन्दी निर्देशालय द्वारा 36 ग्रामों का धारा 52 कराये जाने का लक्ष्य प्रस्तावित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर –जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में चकबंदी विभाग की समीक्षा बैठक बुधवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में उपसंचालक चकबंदी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में कुल 63 ग्राम चकबंदी प्रक्रिया के अधीन है। इस वित्तीय वर्ष में चकबन्दी निर्देशालय द्वारा 36 ग्रामों का धारा 52 कराये जाने का लक्ष्य प्रस्तावित है। जिसमें 22 ग्रामों में माननीय उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश से ग्राम का कार्य प्रभावित है जिसपर जिलाधिकारी द्वारा स्थगन आदेश से प्रभावित ग्रामों के संबंध में निर्देशित किया गया कि आदेश की प्रकृति के सम्बन्ध में बंदोंबस्त अधिकारी चकबंदी मूल कारण विश्लेषण (त्ववज ब्नेम ।दंसलेपे) करते हुए विस्तृत आख्या प्रस्तुत करें ताकि शासन को पत्र भेजकर उक्त आदेश के सम्बन्ध में मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सके। यह भी निर्देशित किया गया कि स्थगन के सम्बन्ध में विश्लेषण के यह तथ्य यदि संज्ञान में आता है कि प्रक्रियात्मक त्रुटि आदेश पारित करने वाले अधिकारी से हुई है तो माननीय उच्च न्यायालय में विभाग की तरफ से शीघ्र निस्तारण प्रार्थनापत्र तथा लिस्टिंग कराके याचिका निस्तारित करायें। बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी द्वारा बताया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 7 ग्रामों का धारा 52 का लक्ष्य प्राप्त कर लिया जायेगा। चकबन्दी आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार 10 वर्ष से अधिक समय से लंबित ऐसे ग्राम जिनका कब्जा परिवर्तन नही हुआ है, का ग्रामों में आदेशानुसार बैठक कर वास्तविक आधार पर ही धारा–6(1) के अन्तर्गत आख्या प्रेषित की जाए। अभिलेख जीर्ण–शीर्णध् अभाव के आधार पर धारा 6(1) का प्रस्ताव प्रेषित न किया जाय। निर्देशित किया गया कि अधीनस्थों पर कठोर नियन्त्रण रखते हुए शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाय। ग्राम में चकबंदी अदालत लगाकर मौके पर ही वादों का निस्तारण किया जाय। कठोर चेतावनी देते हुए वर्ष से पुनाने वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिन ग्रामों के अभिलेख जीर्ण–शीर्ण हो चुके हैं उनका पुनर्निर्माण कर यथाशीघ्र चकबंदी प्रक्रिया पूर्ण की जाए। बैठक में सोमनाथ मिश्र उपसंचालक चकबंदी, विनोद कुमार वर्मा बन्दोवस्त अधिकारी चकबन्दी तथा समस्त चकबंदी अधिकारी एवं सहायक चकबंदी अधिकारी उपस्थित रहे।

कायस्थ समाज ने शोक सभा कर श्रद्धांजलि अर्पित किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वरिष्ठ पत्रकार व सिराजे हिन्द न्यूज के चेयरमैन राजेश श्रीवास्तव जी के बड़े पिता जी जगत नारायण श्रीवास्तव के निधन पर कायस्थ समाज व संगत पंगत के लोगो ने एक शोक सभा कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया स्व जगत नारायण श्रीवास्तव जी जौनपुर में मुंबई में गन फैक्टरी में जनरल मैनेजर पद से रिटायर्ड हुए थे। कायस्थ महासभा 5680 के प्रदेश महासचिवधजिलाध्यक्षधपूर्व संरक्षक संगत पंगत कर्मचारी नेता राकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि जगत चाचा जी एक मृदुभाषी व मिलनसार व्यक्ति थे जो अपने मुंबई में नौकरी के बाद भी अपने मातृभूमि जौनपुर के लिए कुछ न कुछ करते रहते थे। संगत पंगत के वरिष्ठ कार्यकर्ता व कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया ने कहा कि जगत चाचा आरएसएस से बचपन से ही जुड़े रहे व श्रधेय स्व शशि कांत वर्मा जी के साथ समाज सेवा में सक्रिय रहते थे। कायस्थ महासभा 2150 के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव एडवोकेट व कायस्थ महासभा 2150 के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि जगत चाचा हमेशा दीनदुखियों की सेवा में सक्रिय रहते थे। कायस्थ कल्याण समिति के अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव व महासचिव विपनेश श्रीवास्तव ने कहा कि जगत चाचा के निधन से समाज मर्माहित हैं इस दुःख की घड़ी में कल्याण समिति साथ है।

प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव साधु ने कहा कि चाचा जी के निधन से समाज की क्षति हुई हैं। कायस्थ एकता मंच के जिलाध्यक्ष दयाशंकर निगम ने कहा कि जगत चाचा ने हमेशा समाज के उत्थान के लिए कार्य किया है। कायस्थ ग्लोबल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष संपूर्णानंद अस्थाना व संगत पंगत के राकेश श्रीवास्तव पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ने भी कहा कि समाज के दुःख में सामिल होना ही सच्ची सेवा हैं।चित्रगुप्त सभा के श्यामलकान्त श्रीवास्तव जी व कायस्थ महासभा के महासचिव सुरेश अस्थाना ने कहा कि जौनपुर कायस्थ समाज इस दुःख की घड़ी में साथ है। कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय युवा सचिव विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार ने कहा कि जीवन में जगत चाचा से बहुत कुछ सीखने को मिला है। शोक सभा में श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले में उमेश चन्द श्रीवास्तव संगत पंगत के कार्यकर्ता अजय वर्मा अज्जू, गिरिजेश श्रीवास्तव, चंद्रमोहन श्रीवास्तव शशि श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, संतोष निगम संतोष श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव शरद श्रीवास्तव, प्रशांत पंकज श्रीवास्तव अतुल श्रीवास्तव, अनीश श्रीवास्तव संदीप श्रीवास्तव पत्रकार अनिल श्रीवास्तव,अमित श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव अतुल श्रीवास्तव कुँवर अस्थाना, अर्पित श्रीवास्तव राकेश कुमार श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव पंकज श्रीवास्तव महेंद्र श्रीवास्तव आदि लोगो ने श्रंद्धाजलि अर्पित किया। दूसरी तरफ भाजपा नेता कृष्ण कुमार जायसवाल मुन्नू, समाजसेवी व भाजपा नेता महेंद्र गुप्ता राम कृष्ण बिंद बाबाजी,आदि लोगो ने शोक व्यक्त किया है।

छात्राओं की उड़ान को पंख लगा रहा अंबर फाउंडेशन-मनोकामना राय

1-हर वर्ष सैकड़ों छात्राओं को IAS/PCS फ्री कोचिंग कराना लक्ष्य - वफा अब्बास

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर–अंबर फाउंडेशन व केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा प्रेरित ष्कलेक्टर बिटियाष का कार्यक्रम मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के सौदागर हाल में गुरुवार को संपन्न हुआ ।मुख्य अतिथि जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय ने कहा कि हर मां–बाप का यह सपना होता है उनके बच्चे आईएएस,आईपीएस, पीसीएस बनकर ना सिर्फ देश की सेवा करें बल्कि समाज में उनका व उनके परिवार वालों का नाम रौशन हो, उनके सपनों को पूरा करने के लिए अंबर फाउंडेशन ने (ध्येय प्।) कोचिंग सेन्टर के साथ मिलकर उन बच्चों को अपने सपने पूरा करने में सहयोग देगा जो गरीबी बेबसी के चलते अपनी पढ़ाई को आगे नहीं कर सकती उन्होंने कहा कि यदि इन लड़कियों में हौसला बढ़ाने के लिए ऐसे लोग सामने आते हैं तो उनके सपने जरूर पूरे होंगे छात्रों को उन्होंने अपनी इस सफर अपनी सफलता का राज बताते हुए आगे

बढ़ाने की प्रेरणा दी अंबर फाउंडेशन के अध्यक्ष वफा हुसैन साहब ने कहा कि हम लोग ध्येय आईएएस कोचिंग के साथ मिलकर प्रत्येक वर्ष 300 छात्राओं को आईएएस आईपीएस का पीसीएस बनने के लिए फ्री कोचिंग छात्रावास के साथ उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रहे हैं इसका लाभ उन हजारों बच्चों को मिल सकता है जो लड़कियां अधिकारी बनने की कोशिश में अपना सपना पूरा करना चाहते हैं वे एक प्रवेश परीक्षा के जरिए अपना चयन करवा सकते हैं अंबर फाउंडेशन उनके सपनों को निशुल्क पूरा करने में अपना योगदान देगा फाउंडेशन ध्येय आईएएस कोचिंग से आए विजय प्रताप ने बताया कि कैसे आज देश के अंदर एक आम नागरिक व गरीब अपने सपनों को पूरा करते हुए आईएएस आईपीएस बनकर न सिर्फ देश की सेवा कर रहे हैं बल्कि अपने जिले और परिवार का नाम भी रौशन कर रहे हैं प्रेस क्लब केराकत के अध्यक्ष अब्दुलहक अंसारी ने भी छात्राओं से कहा कि यदि उनके अंदर कुछ बनने की तमन्ना है तो वह इस संस्था से जुड़कर अपने सपनों को जरूर पूरा करे कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व प्रधानाचार्य मोहम्मद हसन नसीम ने लोगों का आभार प्रकट किया कि अंबर फाउंडेशन ऐसे नेक कार्य कर रहे हैं जिनके जरिए उन गरीब बेसहारा बच्चियों के सपने पूरा होंगे जो किन्हीं कारणों से पढ़ाई छोड़ देते हैं सभी आए हुए अतिथियों ने मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के संरक्षक एवं प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान की अपार प्रशंसा की इससे पूर्व शाहिद हुसैन गुड्डू ने अतिथियों का स्वागत व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया किया कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख,अहमद अब्बास खान,आरिफ मुख्तार ने किया इस कार्यक्रम में (ध्येय प्।)काउंसलिंग चांसलर दीप्ति बाजपेई,जमानत अली नगराना फाउंडेशन के अध्यक्ष अरशद,डॉ शाहनवाज खान डॉ कमरूद्दीन शेख,डॉ निलेश सिंह,डॉ ममता सिंह डॉक्टर शाहिदा परवीन,डॉ प्रेमलता गिरी,डॉ प्रवीण यादव,महाविद्यालय परिवार एवं हजारों की संख्या में छात्राएं मौजूद रही

कैप्री गोल्ड लोन शाखा लखनऊ बांग्ला बाजार आशियाना ब्रांच का हुआ भव्य उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कैप्री गोल्ड लोन ब्रांच का उद्घाटन अध्यक्ष मानवाधिकार मधु यादव द्वारा फीता काटकर व दीपदान द्वारा संपन्न हुआ।

अतः इस मौके पर कंपनी के (रीजनल मैनेजर)अमरेश श्रीवास्तव (एरिया सेल्स मैनेजर) प्रशस्त्र मिश्रा व (एरिया ऑपरेशन मैनेजर) राम मोहन मिश्रा तथा ब्रांच ऑपरेशन मैनेजर– पवन कुमार श्रीवास्तव व ब्रांच सेल्स मैनेजर – अमित मिश्रा तथा प्रशांत गुप्ता जोनल एडमिन मैनेजर व रीजनल एडमिन मैनेजर दीपचंद जी व ब्रांच स्टाफ मौजूद रहे। कैपरी गोल्ड लोन में रीजनल मैनेजर अमरेश श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि यहां पर न्यूनतम ब्याज दर पर ग्राहकों को गोल्ड लोन की सुविधा प्रदान की जाएगी हमारे यहां पर 3000 से लेकर करोड़ का गोल्ड लोन दिया जाएगा जिससे गरीबों की मदद की जा सके व न्यूनतम डॉक्यूमेंट की आवश्यकता होगी तथा ब्याज दर भी काम होगा।

इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2020-21,व 2021-22 द्वारा राष्ट्रीय स्तर के चयनित बाल वैज्ञानिकों को प्रदान किये जायेंगे टैबलेट

नवाचारी बेस्ट आइडियाज देने वाले कक्षा 6 से 10 तक के राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी के लिए चयनित छात्र छात्राओं को मिलेंगे टैबलेट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य से इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2020–21 के कुल उन्नीस व 2021–22 के कुल दस , राज्य स्तरीय प्रदर्शनी से राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी के लिए चयनितों को टैबलेट प्रदान किये जायेंगे,

जे डी माध्यमिक कार्यालय लखनऊ के मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि विगत दो सत्रों 2020–21 और 2021–22 में इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना में प्रदेश का गर्व बनकर राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी के लिए चयनित बाल वैज्ञानिकों को टैबलेट देकर उनके नवाचार को प्रोत्साहित करेगी।

लखनऊ मण्डल से कुल 5 बाल वैज्ञानिकों को ये टैबलेट प्राप्त होंगे जिसमें 2020–21 के कुल 2 तथा 2021–22 योजना से कुल 3 बाल वैज्ञानिक हैं

लखनऊ मण्डल से इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2020–21 से चयनित कुल 2 बाल वैज्ञानिक

1– श्रेयांश सिंह,कैथेड्रल सीनियर सेकंडरी स्कूल लखनऊ

2–नैतिक श्रीवास्तव ,न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल रायबरेली

इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2021–22 से चयनित कुल 3 बाल वैज्ञानिक

1– अविरल दीक्षित आर0एल0बी0सेक्टर–3 विकास नगर लखनऊ

2–त्रिनभ दीक्षित,मोंटफोर्ट इण्टर कॉलेज महानगर लखनऊ

3–अखिल मिश्रा डी0पी0एस0डी0पब्लिक स्कूल हरदोई

डॉ0दिनेश कुमार ने बताया उत्तर प्रदेश राज्य से विज्ञान में नवाचार करने वाले छात्र छात्राओं को दिए जाने वाले टैबलेट स्वरूप इस विशेष प्रोत्साहन से इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना में छात्र छात्राओं के मध्य और रुचि का विकास होगा,और इस योजना में निश्चित रूप से नामांकन की संख्या में भी वृद्धि होगी।

जातीय जनगणना कराने का कार्य करें सरकार : अरविन्द पटेल

1–सरदार सेना के कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर–जिला मुख्यालय पर सरदार सेना सामाजिक संगठन के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में राष्ट्रपति को नामित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल ने कहा आप सभी जानते हैं कि भाजपा की योगी और मोदी सरकार ने ओबीसी को उनका हक अधिकार पुरी तरह से नहीं देना चाहती ओबीसी को अपने पैरों की जूती समझ लिया इस लिए अब सरदार सेना सामाजिक संगठन आर–पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार और पूरे ओबीसी समाज से यह अपील करते हुए कहा कि अब हमें और आपको मिलकर लड़ना होगा ताकि लोगों को उनका अधिकार मिल सके ज्ञापन सौंपने के दौरान मांग किया गया कि जल्द से जल्द जातीय जनगणना कराने का कार्य सरकार करे ताकि लोगों को उनका हक अधिकार उनके संख्या के अनुसार मिल सके साथ ही ओबीसी वर्ग की महिलाओं के लिए भी उनके आबादी के अनुसार सभी क्षेत्रों में आरक्षण सुनिश्चित किया जाये तथा जिलाध्यक्ष ने यह भी कहा कि सरकार जो निजीकरण कर रहा है उसको तत्काल रोकते हुए निजी क्षेत्र में भी आरक्षण की व्यवस्था लागू करने का कार्य करे ताकि लोगों को उनका हक अधिकार मिल सके अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो सामाजिक संगठन सरदार सेना आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगा जिसकी जिम्मेदारी स्वयं सरकार का होगा सरदार सेना का प्रदेशव्यापी ज्ञापन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को नामित निम्न तीन सूत्रीय मांगों पर तत्काल न्यायोचित कदम उठाया जाय।

1.जातीय जनगणना कराना सुनिश्चित किया जाये जिससे प्रदेश वार वर्गीय गणना स्पष्ट हो, ताकि वंचित वर्गों के साथ न्याय हो सके।

2.ओबीसी वर्ग की महिलाओं के लिए भी आबादी के अनुपात में सभी क्षेत्रों में आरक्षण सुनिश्चित की जाये।

3.निजीकरण को तत्काल रोकते हुए निजी क्षेत्रों में भी आरक्षण व्यवस्था लागू की जाये।

इस दौरान अवधेश कुमार मौर्य एडवोकेट,विपिन पटेल मुलायम,रवि प्रकाश पटेल, विमलेश पटेल,राकेश पाल, यशवंत कुमार,राजकुमार सिंह, अभिषेक यादव,सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छठवां विशाल गोकुल ग्राम मां नव दुर्गा पूजा महोत्सव में 20 अक्टूबर को मां भगवती का जागरण किया जाएगा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोकुल ग्राम कल्याण समिति के संयोजन में गोकुल ग्राम योजना प्रथम मुन्नूखेड़ा में शारदीय नवरात्रि पर्व पर 23 अक्टूबर तक

गोकुल ग्राम नवदुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। गोकुल ग्राम कल्याण समिति के अध्यक्ष धीरेंद्र तिवारी ने बताया कि 20 अक्टूबर को मां भगवती का जागरण किया जाएगा।गोकुल ग्राम कल्याण समिति के अध्यक्ष धीरेंद्र तिवारी ने उक्त कार्यक्रम में श्रद्धालुओं से उपस्थित होने की अपील की है।

पत्रकारिता और आरटीआई का भय दिखाकर धनउगाही करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के हजरतगंज स्थित प्रिंस काम्प्लेक्स निवासी तथाकथित पत्रकार और आरटीआई एक्टिविस्ट महेंद्र अग्रवाल द्वारा अपने गैंग के साथ बीती 07 जून दोपहर बाद गोमतीनगर स्थित सूचना आयोग के बाहर 50000–रुपये की रंगदारी मांगने और रुपये देने से मना करने पर झूंठे मामलों में फंसाने के साथ–साथ जान से मरवाने की धमकी के साथ गन्दी–गन्दी गाली देने के मामले में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के दखल के बाद थाना विभूतिखंड में अभियुक्तों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज हो गई है। गौरतलब है कि पीड़ित वरिष्ठ पत्रकार और नामचीन आरटीआई एक्टिविस्ट तनवीर अहमद सिद्दीकी ने इस बाबत भारत सरकार और प्रदेश सरकार के विभागों समेत पुलिस महकमे में सैकड़ों प्रार्थना पत्र ईमेल और सोशल मीडिया ट्विटर के माध्यम से दिए थे लेकिन इस मामले के अभियुक्तगणों की पूर्व सूचना आयुक्त अरविन्द सिंह बिष्ट के साथ–साथ वर्तमान सूचना आयुक्त हर्षवर्धन शाही और बर्तमान मुख्य सूचना आयुक्त भवेश कुमार सिंह तक सीधे पंहुच होने के कारण ट्विटर पर यूपी पुलिस द्वारा लखनऊ पुलिस को निर्देश देने के बाद भी लखनऊ पुलिस मामले को महीनों ठन्डे बस्ते में डाले रही और अब 4 महीने से अधिक समय के बाद बीती 11 अक्टूबर को राज्य अल्पसंख्यक आयोग के निर्देश के बाद मुकदमा कायम हो सका है।

सेना नायक डा मिश्र ने खादी महोत्सव के अन्तर्गत 34 वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी में लगे खादी मेले का किया उद्घाटन

अयोध्या। मीडिया सेल 34 वी वाहिनी पीएसी वाराणसी के मुताबिक 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक संपूर्ण देश में चल रहे खादी महोत्सव के अंतर्गत खादी इंडिया की वाराणसी इकाई द्वारा 34 वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी के बहुउद्देशीय हाल पिनाक मण्डपम में आत्म निर्भर भारत, श्वोकल फार लोकलश को बढ़ावा देने, स्वदेशी उत्पादों, खादी, हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देने एवं घर–घर खादी पहुचाने के उद्देश्य से खादी मेले का आयोजन किया गया।खादी मेले का उद्घाटन वाहिनी सेनानायक डॉ राजीव नारायण मिश्र, आईपीएस ने खादी इंडिया की वाराणसी इकाई के अधिकारियोंध्कर्मचारियों, वाहिनी के जवानों एवं उनके परिवारी जनों की उपस्थिति में फीता काटकर किया।खादी इंडिया की वाराणसी इकाई द्वारा बनाई गई जनपद वाराणसी के लोकल प्रोडक्ट्स तथा खादी वस्त्रों का अलग अलग श्स्टालश लगाकर प्रचार एवं बिक्री की गयी।अलग–अलग स्टॉल पर खादी ग्रामोद्योग द्वारा बनाए गए पुरुषों, महिलाओं, एवं बच्चों के लिए कपड़े एवं वाराणसी के लोकल प्रोडक्ट्स जैसे बनारसी साड़ियां, कांच की चूड़ियां एवं मालाएं और आयुर्वेदिक उत्पादों का भी विक्रय किया गया। इस महोत्सव में परिसर में आवासित परिवार जनों एवं बच्चों की काफी भीड़ रही।इस अवसर पर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग वाराणसी के मंडल निदेश एस०पी० खंडेलवाल, खादी फेडरेशन के सचिव,जे०पी० श्रीवास्तव के साथ अन्य खादी संस्था के प्रतिनिधि एवं वाहिनी सहायक सेनानायक शिवनारायन, शिविरपाल अजय प्रताप सिंह, सहायक शिविरपाल विन्ध्यवासिनी पाण्डेय, सूबेदार मेजर गोपाल जी दुबे व बड़ी संख्या में जवान एवं उनके परिवार जनों ने भाग लिया।

51 शक्तिपीठ में देवी कुष्मांडा की हुई आराधना

संवाददाता

लखनऊ। नन्दना बीकेटी स्थित इक्यावन शक्तिपीठ तीर्थ धाम में शारदीय नवरात्र उत्सव के चौथे दिन बुधवार को मां कूष्माण्डा स्वरूप में पूजन किया गया। तृप्ति तिवारी ने बताया कि आज मां का रक्तांबर श्रृंगार किया गया। आचार्य धनंजय पांडे की अगुवाई में पिंडी पूजन का सौभाग्य आदर्श, आकांक्षा, सौम्य को मिला।

शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया। आचार्य धनंजय पांडे ने मां की महीमा का बखान करते हुए कहा कि बताया कि देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। बाघ की सवारी करती हुई अष्टभुजा धारी मस्तक पर रत्नजडित, स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा है।इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश कमल सुदर्शन, चक्र, गदा, धनुष बाण और अक्षमाला धारण किए हैं।

प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर बताई कर्मचारियों की पीड़ा

संवाददाता

लखनऊ। बायोमैट्रिक हाजिरी ने कर्मचारी को अपने परिवार एवं समाज से अलग कर दिया है। कर्मचारी सुबह प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक अपनी ड्यूटी पर रहेगा तो बीमार माता–पिता एवं बच्चों को कब डाक्टर के पास ले जायेगा। उसे सायं 6 बजे भी हाजिरी लगानी पड़ती है। उसे घर का सामान भी लाना पड़ता है। उसके पास समय ही नहीं है, इसलिए उसे कुछ तो समय मिलना चाहिए। इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र ने बताया कि इस तरह की व्यवस्था अंग्रेज सरकार में भी नहीं थी। सरकारी कर्मचारी मशीन बन गया है। वह परिवार एवं समाज से अलग होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब भी एनडीए की सरकारें आई इनकी व्यवस्था से पूरा कर्मचारी परिवार दुखी एवं नाराज हुआ है। श्री मिश्र ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की पीड़ा सुनने को तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री से लेकर सभी अधिकारी, कर्मचारियों की पीड़ा सुनने को तैयार नहीं है। वर्तमान मुख्य सचिव भी कर्मचारी संगठनों से न मिलते हैं और न ही बात करते हैं। राष्ट्रीय महासचिव प्रेमचन्द्र एवं राष्ट्रीय सचिव अतुल मिश्र ने बताया कि वर्षों से 7वें वेतन आयोग की संस्तुतियों पर सरकार ने कैडर पुनर्गठन नहीं किया। वेतन विसंगतियां लम्बित पड़ी है तथा रिक्त पदों पर नियमित भर्तियां एवं पदोन्नतियां लम्बित है, राज्यों में कई भत्तों की कटौती कर दी गयी है। आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों की भी अति दयनीय दशा है वे 6, 7 हजार के वेतन में कैसे परिवार चलायेंगे। कई कर्मचारी परेशान होकर आत्महत्या करने को मजबूर होते जा रहे है। पुरानी पेंशन की बहाली न होने से एनपीएस वाले कर्मचारी जब रिटायर होंगे तो उन्हें दो रोटी भी मिलना मुश्किल हो जायेगी। वर्तमान परिवेश में महंगाई चरम सीमा पर है। कर्मचारी समाज इस महंगाई का दंश झेल नहीं पा रहा है। जो सरकार के द्वारा जुलाई में महंगाई भत्तों के किस्तों की घोषणा की जानी थी वह केन्द्र सरकार द्वारा नहीं की गई जो कि न्यायसंगत नहीं है और इससे कर्मचारी व उनका परिवार भुखमरी की कगार पर है।इप्सेफ ने प्रधानमंत्री से पुनः आग्रह किया है कि कर्मचारी सरकार के अभिन्न अंग है। सारा काम ग्रामीण स्तर तक वही करते हैं । इसलिए उनकी पीड़ा पर विशेष ध्यान दें, अन्यथा उनमें मेहनत से जनता की सेवा करने की क्षमता समाप्त होती जायेगी, क्योंकि वे मानसिक रूप से परेशान रहते है।

अयोध्या में हनुमानगढ़ी के पुजारी की गला काटकर हत्या

आईजी ने एसएसपी सहित घटना स्थल का किया निरीक्षण

अयोध्या।अयोध्या में हनुमानगढ़ी के सहायक पुजारी की हत्या की सूचना मिलते ही आसपास इलाकों में हड़कंप मच गया।बताते चलें कि गुरुवार को मंदिर के आश्रम में एक कमरे में पुजारी की लाश मिली। धारदार हथियार से गला काटकर उनकी हत्या की गई।वही कमरे में चारों तरफ खून बिखरा हुआ था। जिस कमरे में वारदात हुई वहां से महज 40–50 फीट की दूरी पर पुलिस तैनात थी।लेकिन, पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी।मृतक पुजारी की शिनाख्त राम सहारे दास के तौर पर हुई। वह हनुमानगढ़ी की बसंतिया पट्टी के साकेतवासी संत दुर्बल दास के शिष्य थे। हनुमानगढ़ी के आश्रम के जिस कमरे में पुजारी की लाश मिली, वहां वह अपने 2 चेलों के साथ रहते थे।पुलिस के मुताबिक एक अन्य चेला फरार है, ऐसे में पुलिस उन्हें ढूंढ रही हैं।ये हत्या क्यों की गई। इसके पीछे आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं कि मृतक साध ा का 10 बीघा जमीन का विवाद चल रहा था। दूसरी, जिस चेला के साथ वो रहते थे उससे कोई विवाद हुआ। इस घटना की सूचना मिलते ही आईजी अयोध्या रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार और एसएसपी राज करण नैय्यर भी मौके पर छानबीन में जुट गए।पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया यह सामने आया कि गला रेतकर हत्या हुई।लेकिन मौके से धारदार हथियार नहीं मिला।आश्रम में फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया।गुरुवार सुबह करीब 6 बजे हत्या का पता उस वक्त चला, जब पुजारी के कमरे का दरवाजा नहीं खुला।अमूमन राम सहारे दास तड़के उठते थे। पूजा शुरू कर देते थे। गुरुवार को ऐसा नहीं हुआ। उनके कमरे के दरवाजे बंद थे।उनके कमरे में रहने वाले चेले ने जाकर दरवाजा खोला।हल्का धक्का दिया तो दरवाजे खुल गए। अंदर चारों तरफ खून बिखरा हुआ था।पुजारी की लाश पड़ी थी। उसने अन्य साधुओं को बताया। फिर पुलिस को जानकारी दी।

पुरस्कार पाकर खिल उठे खिलाड़ियों के चेहरे

संवाददाता

लखनऊ। शहर के बाबू केडी सिंह स्टेडियम में चल रहे 34 वे क्षेत्रीय खेलकूद समारोह के दूसरे दिन बुध ावार को एथलेटिक्स के विभिन्न विध ाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। बताते चलें कि विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के विद्यालयों की क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिताएं जिसमें पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र से जुड़े विद्या भारती के 49 जिले ाम चार प्रांत अवध नगरी, अवध ग्रामीण, कानपुर नगरी, कानपुर ग्रामीण, काशी नगरी, काशी ग्रामीण गोरक्ष नगरी एवं गोरक्ष ग्रामीण प्रांत के लगभग 483 खिलाड़ी भैया बहन भाग ले रहे हैं।

बुधवार को आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 800 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़, लंबी कूद किशोर वर्ग, शिशु वर्ग चक्का फेक बाल वर्ग, ऊंची कूद बाल वर्ग, 400 मीटर दौड़ शिशु वर्ग, 400 मीटर दौड़, तरुण वर्ग 300 मीटर दौड़ तरुण वर्ग ,5000 मीटर तेज चाल, 3000 मीटर तेज चाल, आदि प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। प्रतियोगिता में सफल खिलाड़ियों को विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री डॉ शिवकुमार जी, अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतींद्र जी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचंद्र जी, संयोजक एवं भारतीय शिक्षा समिति के प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह प्रांत संगठन मंत्री काशी श्री राम मनोहर जी, वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री उत्तम कुमार मिश्रा, संभाग निरीक्षक अवरीश कुमार, कैलाश चंद्र जी, श्याम मनोहर जी सहित विद्या भारती के अधिकारियों ने स्वर्ण कास्य एवं रजत पदक एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। प्रतियोगिताओं का परिणाम इस प्रकार रहा 3000 मी दौड़ बालक तरुण वर्ग में विकास कानपुर नगर प्रथम, बबलू कुमार काशी नगर द्वितीय, तथा राजू यादव काशी ग्रामीण तृतीय रहे, वही 3000 बालिका तरुण वर्ग में श्वेता अवध नगरी प्रथम, संजीदा खातून काशी नगरी द्वितीय एवं प्राची कानपुर नगरी तृतीय रही। 800 मी तरुण वर्ग बालक वर्ग में शुभम कानपुर नगर प्रथम, कुलदीप अवध प्रांत नगरी द्वितीय, एवं शिवसागर गोरक्ष प्रांत नगरी तृतीय रहे।

800 मी बालिका तरुण वर्ग बहन निवेदिता राय कानपुर नगर प्रथम, रेश्मा पाल काशी ग्रामीण द्वितीय ,बहन अंशिका यादव अवध नगरी तृतीया, 100 मी किशोर वर्ग बालिका तृप्ति गोरख नगरी प्रथम, श्रद्धा काशी नगरी द्वितीय, वंशिका अवध नगरी तृतीया स्थान पर रहीं। लंबी कूद बालिका तरुण वर्ग में वंदना शर्मा अवध नगरी प्रथम, स्वाति पाल काशी नगरी द्वितीय, अंकित गोरक्ष ग्रामीण तृतीया, लंबी कूद किशोर बालिका वर्ग में नंदिनी काशी नगरी प्रथम, लक्ष्मी काशी ग्रामीण द्वितीय, प्रतीक्षा अवध नगरी तृतीया रही। गोला फेंक 3 किलोग्राम तरुण वर्ग बालिका में जुनेरा खान अवध नगरी प्रथम, सूची सिंह गोरख नगरी द्वितीय, दिव्यांशी सिंह काशी नगरी तृतीय रहीं। 400 मीटर बाधा दौड़ तरुण वर्ग बालिका जानवी कानपुर नगर प्रथम, भारतीय निषाद काशी नगरी द्वितीय, एवं अंजली गुप्ता गोरख ग्रामीण तृतीय रही। चक्का फेक बाल वर्ग रिशु कानपुर नगर प्रथम, श्वेतांक काशी नगर द्वितीय, आदित्य राय अवध नगरी तृतीय रहे।

चक्का फेक तरुण वर्ग बालिका सुहानी सिंह काशी नगर प्रथम, सुनेरा खान अवध नगरी द्वितीय, श्रेया गोरख नगरी तृतीय रही। गोला फेक किशोर बालक अंकुश पांडेय काशी नगर प्रथम, नवीन यादव काशी नगर द्वितीय, साजन बाबू कानपुर नगर तृतीय रहे। ऊंची कूद बालक वर्ग तरुण वर्ग आंसू अवध नगरी प्रथम, शाश्वत गोरख नगरी द्वितीय एवं सूरज सिंह काशी ग्रामीण तृतीय स्थान पर रहे। यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय मंत्री डॉ. शिवकुमार जी, अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतींद्र शर्मा जी एवं क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचंद जी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हो रही है।

शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाले को लेकर अभ्यर्थियों की बीजेपी अध्यक्ष से गुहार

संवाददाता

लखनऊ। 69000 सहायक शिक्षक भर्ती के आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों ने आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी को व्हाट्सएप के माध्यम से अवगत कराया है कि 69000 सहायक शिक्षक भर्ती में 19000 सीटों पर आरक्षण का घोटाला हुआ है। भर्ती में बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 तथा आरक्षण नियमावली 1994 का उल्लंघन हुआ है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी को आरक्षण पंडित अभ्यर्थी शिव शंकर, राजन जायसवाल, प्रदीप कुमार कमल तथा मालू सिंह चौधरी द्वारा किए गए व्हाट्सएप में आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों ने स्पष्ट तौर पर लिखा है कि 5 जनवरी 2022 को 19000 आरक्षण घोटाले के सापेक्ष 6800 की एक लिस्ट बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा निकाली गयी थी जिस लिस्ट को लखनऊ हाई कोर्ट की सिंगल बेंच 13 मार्च को पूरी तरह से रद्द कर चुकी है तथा लखनऊ हाई कोर्ट की सिंगल बेंच 13 मार्च को बेसिक शिक्षा विभाग के अधि ाकारियो को इस 69000 सहायक शिक्षक भर्ती की 1 जून 2020 को प्रकाशित लिस्ट को नए सिरे से तीन महीने के अंदर अभ्यर्थियों के गुणांक, कैटागिरी, सब कैटिगरी आदि के कॉलम में बनाने तथा मूल चयन सूची के रूप में पेश करने का आदेश दे चुकी है।

आईएएस अधिकारियों का तबादला

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने कई आईएएस अधिकारियों की तैनाती में फेरबदल करते हुए उनके ट्रांसफर किए हैं। विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षा के पद पर तैनात देवेंद्र कुमार कुशवाहा को अपर निदेशक एसजीपीजीआई लखनऊ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सुमित राजेश महाजन ज्वाइंट मजिस्ट्रेट बाराबंकी को मुख्य विकास अधिकारी लखीमपुर के पद पर नई तैनाती प्रदान की गई है, इसी तरह ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कन्नौज पवन कुमार मीणा को मुख्य विकास अधिकारी सहारनपुर के पद पर भेजा गया है।शासन स्तर पर कई अन्य आईएएस अधिकारियों कब ट्रांसफर किए जाने की चर्चा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर ओरिएंटेशन सप्ताह का हुआ आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर ओरिएंटेशन सप्ताह का आयोजन किया। शैक्षणिक सत्र में अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, भूगोल, भौतिक शिक्षा, उर्दू, संस्कृत, दर्शनशास्त्र आदि परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्साहपूर्वक तीसरे दिन ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने सभी परास्नातक छात्रों को विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने हेतु बधाई दी। विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु बधाई दिया तथा उन्हें प्रवेश संबंधी उद्देश्यो के प्रति सदैव जागरूक व सचेत रहने तथा अपने माता–पिता, परिवार और विशवविद्यालय के प्रति कृतज्ञ और समर्पित रहने की सलाह दिया। कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद अवस्थी ने छात्रों को केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर एक अलग श्रेणी साबित हुई है। इसके अलावा, उन्होंने उनके आगामी शैक्षणिक सत्रों के लिए शुभकामनाएं दीं। चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने नवागंतुकों को विश्वविद्यालय के विभिन्न नियमों और विनियमों से अवगत कराया और उन्हें ईमानदारी और नैतिकता सहित विश्वविद्यालय के मूल मूल्यों का पालन करने के लिए कहा। हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी की निदेशक प्रोफेसर मैत्रेयी प्रियदर्शनी ने छात्रों के मानसिक कल्याण को प्रोत्साहित कर लैब के उद्देश्य के बारे में बात की, जो शांति, प्रेम और सार्वभौमिक सद्भाव की दुनिया बनाने के लिए खुशी की स्वदेशी धारणा को समझने के लिए युवाओं के विचारों को सशक्त बनाना है। इसके अलावा, प्रो. अशोक कुमार कैथल अतिरिक्त डीएसडब्ल्यू ने डीन छात्र कल्याण के तहत टीआरईई, ओपीडी और छात्रवृत्ति आदि जैसी विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। समितियों और प्रकोष्ठों के प्रतिनिधियों ने छात्रों को दृष्टिकोण के बारे में समझाया। पूरे कार्यक्रम का संचालन डीएसडब्ल्यू की टीम ने किया।

सुल्तान ऑफ दिल्ली' नवाबों के शहर लखनऊ में

संवाददाता

लखनऊ। अगर दिल्ली का सुल्तान बनना है, तो जंग बिना गोली चलाये जीतनी होगी! डिज्नी हॉटस्टार ने हाल ही में अपनी सीरीज 'सुल्ल्तान ऑफ दिल्ल्ली' को लॉन्च किया, जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया और अपना भरपूर प्यार लुटाया। सुल्तान ऑफ दिल्ली असेंशन बाय अर्णब रे पुस्तक पर आधारित इस सीरीज का निर्माण रिलायंस एन्टरटेनमेंट ने किया है और इसके निर्देशक हैं –मिलन लुथरिया। इसे सुपर्ण वर्मा द्वारा सह–निर्देशित किया गया है और वह इसके सह–लेखक भी हैं। इस मास–एन्ड्टरटेनर सीरीज को प्रोमोट करने के लिये निर्देशक मिलन लुथरिया ने इस सीरीज के प्रतिभाशाली कलाकारों ताहिर राज भसीन, अंजुम शर्मा और अनुप्रिया गोयनका के साथ नवाबों के खूबसूरत शहर लखनऊ की यात्रा की। यह सीरीज आपको एक ऐसे सफर पर ले जाने के लिये तैयार है, जहां जिंदगी दांव पर लगी है और इस खेल को अपने पक्ष में करने के लिये आपको ताकत की जरूरत है। 'सुल्ल्तान ऑफ दिल्ली' में मौनी रॉय, विनय पाठक, निशांत दहिया, हरलीन सेठी और मेहरीन पीरजादा भी प्रमुख भूमिकाओं को अदा कर रहे हैं। इस सीरीज के बारे में बात करते हुये डायरेक्टर मिलन लुथरिया ने कहा, "सुल्तान ऑफ दिल्ली' आखिरकार रिलीज हो गई है और हमें जो प्यार और सकारात्मक प्ररतिक्रियायें मिल रही है, उससे हम बेहद खुश हैं। मैंने और मेरी टीम ने 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' पर काफी कड़ी मेहनत की है, क्योंकि मैं अपनी पहली वेब सीरीज में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता था। हमारी कोशिशें रंग लाई हैं और यह एक तरह से एक नया अध्याय रचने जैसा है। अपने ओटीटी डेब्यू के लिये डिज्नी हॉटस्टार के साथ हाथ मिलाना एक बेमिसाल अनुभव था। लखनऊ आकर बहुत अच्छ्छा लग रहा है और हमें उम्म्मीद है कि यहां के लोग दिल खोल कर हमारा स्वागत करेंगे और सीरीज का भरपूर आनंद उठायेंगे।" इस सीरीज और लखनऊ की अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुये ताहिर राज भसीन ने कहा, "ऐसा हर दिन नहीं होता, जब आप एक टिपिकल 'हीरो' का किरदार निभाते हैं, जो माचो और फ्लेमबोयंट हो और मैं खुश हूं कि मुझे इस किरदार को निभाने का मौका मिला। सबसे अच्छी बात तब होती है, जब आप दर्शकों को इस किरदार को स्व्वीकार करते और उससे प्यार करते देखते हैं। नवाबों के शहर लखनऊ आना एक रोमांचक अनुभव था और यहां आकर मुझे बहुत अच्छा लगा। लखनऊ में सबसे अच्छे कबाब मिलते हैं और यहां के लोग सबसे ज्यादा अच्छे हैं, इसलिये यहां आकर हमेशा ही बहुत खास लगता है।"अंजुम शर्मा ने इस सीरीज के बारे में बताते हुये कहा, "शो के रिलीज होने के साथ ही मेरा किरदार सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे मुझे बंगाली के लिये दर्शकों के प्यार का पता चला। वह एक खतरनाक दुनिया में मौज–मस्ती करने वाला और बेपरवाह लड़का है, लेकिन उसकी सबसे अच्छी बात यह है कि वह अपने वादे के लिये अपनी जान तक न्यौछावर कर सकता है और दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। लखनऊ आकर और यहां के दर्शकों के साथ मिलकर मुझे महसूस हुआ कि बंगाली को इतना ज्यादा प्यार इसलिये मिल रहा है, क्योंकि हम दिल से थोड़े–बहुत बंगाली ही हैं। लखनऊ शहर की मेरे दिल में एक खास जगह है और मुझे उम्मीद है कि यहां के दर्शक खुले दिल से इस सीरीज को पसंद करेंगे और प्यार देंगे।"

एलयू में छात्र संघ बहाली का प्रदर्शन तीसरे दिन जारी

लखनऊ। एलयू यानी लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र संघ की बहाली को लेकर प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। बुधवार सुबह एक बार फिर धरना स्थल पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी रही। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस छात्रों को समझाने के प्रयास भी होते दिखे मगर छात्र लिखित आश्वासन की मांग पर अड़े रहे।

एक दिन पहले मंगलवार को पुलिस और छात्रों के बीच झड़प भी देखने को मिली थी। पुलिस ने छात्रों को धरना स्थल से उठाने के लिए बल का प्रयोग किया और जबरदस्ती उठाकर गाड़ी में बैठने की कोशिश की पर छात्र पुलिस की गाड़ी से कूदकर वापस ध रना स्थल पर आकर बैठ गए। इस दौरान कुछ छात्रों को छुटपुट चोट भी आई थी। दरअसल सोमवार दोपहर 2 बजे से बड़ी संख्या में छात्र धरने पर बैठ गए थे।

नसीमुद्दीन, अतर सिंह और नौशाद अली की अर्जी नामंजूर

संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के परिवार की महिलाओं के खध्लिाफ अभद्र, अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने के मामले में आरोपी बसपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव नसीमुद्दीन सिद्दीकी, रामअचल राजभर, अतर सिंह राव और नौशाद अली की ओर से दी गई आरोपों से मुक्त करने की मांग वाली अर्जी नामंजूर हो गई।एमपी–एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंस नारायण ने चारो आरोपियों की अर्जी को जहां खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में मामले के अन्य आरोपी मेवालाल गौतम के खध्लिाफ पाक्सो एक्ट की धारा को हटा दिया है।इसके पहले कोर्ट में सरकारी वकील रमेश कुमार शुक्ला ने बताया नौ कि मामले में आरोपी नसीमुद्दीन सिद्दीकी सहित अन्य आरोपियों के खध्लिाफ कोर्ट ने 22 फरवरी 2021 को आरोप तय कर दिए थे तथा मामले की गवाह पूर्व मंत्री स्वाति सिंह की गवाही चल रही है। इसी बीच आरोपी मेवालाल गौतम ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करके निचली अदालत की कार्यवाही को चुनौती दी जिस पर हाईकोर्ट ने मेवालाल के खिलाफ लगायी गई पाक्सो एक्ट की धारा 11(1) को निरस्त कर दिया। हाईकोर्ट के इस आदेश को मेवा लाल गौतम ने विशेष अदालत में पेश कर पाक्सो एक्ट के आरोपों को हटाए जाने की माँग की। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद अतर सिंह राव, नौशाद अली, नसीमुद्दीन सिद्दीकी एवं राम अचल राजभर ने भी कोर्ट में अलग–अलग अर्जिया देकर पाक्सो एक्ट की आरोपों से बरी किए जाने की माँग की लेकिन कोर्ट ने आरोपियों की अर्जी खधरिज कर दिया और कहा कि मेवालाल गौतम का मामला भिन्न है क्योंकि नसीमुद्दीन सिद्दीकी, राम अचल राजभर, अतर सिंह राव एवं नौशाद अली ने विचारण न्यायालय के किसी आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती नहीं दी है। कोर्ट ने आदेश मे कहा है कि एक बार जब आरोप तय हो जाते है और विचारण शुरू हो जाता है तब उसका मुकदमें का निस्तारण दोष सिद्धि या दोष मुक्त के आधार पर ही किया जाता है। कोर्ट ने आगे कहा कि इस कोर्ट को अपने किसी भी आदेश को वापस लेने का अधिकार नहीं है।

6800 चयनित अभ्यर्थियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के मुलाकात

संवाददाता

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती के अंतर्गत चयनित 6800 की सूची में शामिल अभ्यर्थियों ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौध ारी से बुधवार सुबह लखनऊ उनके आवास पर जाकर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान अमरेंद्र पटेल ने प्रदेश अध्यक्ष को बतया की 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करने में घोर अनियमितता बरती गई जिस कारण आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नौकरी से वंचित कर दिया गया। इस संबंध में कई बार आंदोलन के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लिया और विसंगति दूर करते हुए पीड़ित दलित पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने आदेश अधि ाकारियों को दिया था, जिसके आधार पर बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विसंगति को सुधारने के उपरांत 6800 दलित पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का वादा करते हुए एक सूची जारी की लेकिन अभी तक न्याय नहीं मिल सका।

अफजाल अंसारी की सजा पर रोक का मामला

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ हाईकोर्ट के छै। एडवाइजरी बोर्ड में बुधवार को विधायक अब्बास अंसारी की पेशी हुई। यहां तीन घंटे सुनवाई हुई। अब्बास ने अपना पक्ष रखा। चित्रकूट जेल में बंद रहने के दौरान पत्नी निखत अंसारी से गैरकानूनी तरीके से मुलाकात मामले में चित्रकूट पुलिस ने अब्बास अंसारी पर एनएसए की कार्रवाई की है। चित्रकूट डीएम और एसपी भी रहे सुनवाई के दौरान मौजूद रहे। बता दें कि अब्बास अंसारी को कासगंज जेल से लखनऊ पेशी पर लाया गया था। सुनवाई खत्म होने के बाद भारी सुरक्षा के साथ अब्बास अंसारी को लेकर पुलिस लेकर रवाना हो गई। पूर्व सांसद के मामले की मंगलवार को पहले सुबह 11 बजे सुनवाई होनी थी। लेकिन, इस दौरान यूपी सरकार के वकील ने कहा था कि अभी एएसजी के एम नटराजन किसी दूसरे केस में व्यस्त होने के कारण उपस्थित नहीं हो पाएंगे। अब 30 अक्टूबर को फिर से सुनवाई होगी। इससे पहले 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को नोटिस दिया था। दरअसल, गाजीपुर से निवर्तमान सांसद अफजाल अंसारी ने गैंगस्टर एक्ट में एमपी–एमएलए कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा पर रोक लगाने की मांग की है। जिसके बाद यूपी सरकार को अदालत ने नोटिस दिया था। पिछली सुनवाई में वकील अभिषेक मनु सिंधवी ने कहा था कि अफजाल ने 7 बार चुनाव जीता, जनता का समर्थन हासिल है और मौजूदा सांसद हैं। अफजाल को दूसरे किसी भी आपराधिक मामले में कोई सजा नहीं हुई है। यह पहला मामला है, जिसमें सजा हुई है। वकील ने कहा था कि मुख्तार अंसारी पर गैंग चलाने का आरोप है। अफजाल आंसारी उनके भाई हैं। कृष्णानंद राय हत्या मामले में अफजाल अंसारी को आरोपी बनाया गया था। हालांकि इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनकी सजा पर रोक की मांग को खारिज कर दिया था। बता दें कि गाजीपुर की एमपी–एमएलए कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में पूर्व बसपा सांसद को दोषी करार दिया था। एमपी–एमएलए कोर्ट ने अफजाल अंसारी को चार साल की सजा सुनाई थी।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।